दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
वर्ष 54/ अंक 220/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, बुधवार 12 मार्च 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

पीएम नरेंद्र मोदी को मिला

मॉरीशस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

पहले भारतीय बने

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों मॉरीशस की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा के दौरान मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने पीएम मोदी को देश का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान द ग्रैंड कमांडर ऑफ़ ऑर्डर ऑफ़ द स्टार एंड की ऑफ़ द इंडियन ओशन से सम्मानित करने की घोषणा की। यह सम्मान प्राप्त करने वाले वे पहले भारतीय बन गए हैं। यात्रा के पहले दिन पीएम मोदी ने मॉरीशस में भारतीय मूल के समुदाय को संबोधित किया।

अपने संबोधन में उन्होंने भारत और मॉरीशस के बीच गहरे संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, दस साल पहले 2015 में, मैंने भारत के सागर विजन की शुरुआत की थी। आज भी इस विजन में मॉरीशस का केंद्रीय स्थान है। भारत हर कदम पर मॉरीशस के साथ मजबूती से खड़ा है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मॉरीशस अफ्रीकी संघ का पहला ऐसा देश है, जिसके साथ भारत ने 2021 में व्यापक आर्थिक सहयोग और साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर किए थे। इसके अलावा, पीएम मोदी ने भारतीय कंपनियों द्वारा मॉरीशस में अरबों डॉलर के निवेश पर भी जोर दिया, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्तों को और मजबूत कर रहा है।

मोहन सरकार का विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश

वित्त मंत्री ने बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमारी सरकार का दृढ़ लक्ष्य विकसित मध्यप्रदेश है। प्रदेश में श्रेष्ठतम अधोसंरचना का विस्तार हो, जनता का जीवन खुशहाल हो, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाएं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की हों, महिलाओं में आत्म गौरव के भाव बनें, सामुदायिक सौहार्द्र में वृद्धि हो, मुझे यह अवगत कराते हुए गर्व है कि इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए हमारी सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मोदी का विजन मोहन का बजट

उद्योगों में 3 लाख नौकरियां मिलेंगी; 11 आयुर्वेदिक कॉलेज, 22 नए आईटीआई खुलेंगे

लाड़ली बहनों को पेंशन योजना से जोड़ेंगे

गरीब, युवा शक्ति, किसान कल्याण और नारी सशक्तिकरण को समर्पित बजट

भोपाल। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 4 लाख 21 हजार 32 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इसमें कोई भी नया टैक्स नहीं लगाया गया। चुनाव में गेमचेंजर साबित हुई लाड़ली बहना योजना की राशि बजट में बढ़ाए जाने की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं किया गया। हालांकि, उनको पेंशन योजना से जोड़ने का ऐलान जरूर हुआ है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश में 39 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। इनसे 3 लाख से अधिक रोजगार मिलेंगे। बजट में 11 नए आयुर्वेदिक कॉलेज और 22 नए आईटीआई खोले जाने की घोषणा भी की गई है। देवड़ा ने बजट भाषण की शुरुआत कविता से की। उन्होंने कहा- यही जुनून, यही एक ख्वाब मेरा है, वहां चिराग जला दूं जहां अंधेरा है...जनता व जनप्रतिनिधियों की बेशुमार फरमाइशें हैं, कर सकें हम सब पूरी, ये हमारी कोशिशें हैं।

उन्होंने बताया- हमने 2025-26 का बजट जीरो वेस्ट बेस्ड प्रक्रिया से तय किया है। सरकार का लक्ष्य है विकसित मध्यप्रदेश। इसका अर्थ है कि जनता का जीवन खुशहाल हो। महिलाओं का आत्मगौरव मिले। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी बजट भाषण सुनने के लिए विधानसभा में मौजूद रहे।लाड़ली बहना के हितग्राहियों को केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना और अटल पेंशन योजना से जोड़ा जाएगा।

हर वर्ग के विकास और विश्वास का बजट

मोहन यादव ने कहा हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने के लिए हमारी सरकार ने भी विकसित मध्यप्रदेश 2047 का विजन रखा है, प्रदेश का यह बजट उस संकल्प को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है।

ये बड़ी घोषणाएं भी...

- 11 नए आयुर्वेदिक कॉलेज खुलेंगे।
- 1 अप्रैल 2025 से सातवें वेतनमान के महंगाई भत्ते का पुनरीक्षण किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री किसान सहायता के लिए 5220 करोड़ का प्रावधान।
- लाड़ली बहनों की राशि नहीं बढ़ेगी। पेंशन योजना से जोड़ी जाएंगी।
- प्रदेश के 39 नए औद्योगिक क्षेत्रों में 3 लाख नौकरियां मिलेंगी।
- प्रदेश सरकार ने कोई नया टैक्स नहीं लगाया।
- 22 नए आईटीआई खोले जाएंगे।
- सीएम युवा शक्ति योजना के तहत प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र में सर्व सुविधायुक्त स्टेडियम खोला जाएगा।
- प्रदेश में डिजिटल यूनिवर्सिटी और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय खुलेगा।
- धार में डायनासोर जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान और डिंडोरी में जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान शुरू होंगे।

बजट में किस योजना को क्या मिला

- मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए 18669 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन निर्माण के लिए 350 करोड़ रुपए।
- मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना में 145 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- गो संवर्धन एवं पशुओं का संवर्धन योजना के लिए 505 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- किसानों को सहकारी बैंकों से ब्याज मुक्त ऋण के लिए 694 करोड़ रुपए का प्रावधान।

आंगनबाड़ी सेवाओं के लिए 3729 करोड़ का प्रावधान

- मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसुति सहायता, छात्राओं को साइकिल वितरण, मुख्यमंत्री स्कूटी योजना सहित नारी शक्ति संबंधी विभिन्न योजनाओं के लिए 26797 करोड़ रुपए।
- आंगनबाड़ी सेवाओं के लिए 3729 करोड़ रुपए।
- कृषि और संबद्ध क्षेत्र के लिए 58,257 करोड़ रुपए का प्रावधान। पिछले साल से 13409 करोड़ रुपए ज्यादा है।

विधानसभा में आए पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने किया स्वागत।

बजट में ये किए गए प्रावधान

- आगामी 5 वर्ष में उद्योगों को लगभग 30 हजार करोड़ के इंसेंटिव दिए जाएंगे।
- गरीबी रेखा के नीचे के परिवारों के लिए योजनाओं का पैकेज दिया जाएगा। राज्य स्तरीय बीमा समिति का गठन करेंगे।
- प्रदेश में 39 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। इनसे 3 लाख से अधिक रोजगार मिलेंगे।
- प्रसूति चिकित्सा, विवाह और अंत्येष्टि सहायता के अंतर्गत लगभग 3,917 करोड़ के हितलाभ दिए गए।
- गृह विभाग को 12876 करोड़, जेल विभाग के लिए 794 करोड़ रुपए
- बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा में लिए 50 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- सामाजिक आर्थिक उत्थान की योजनाओं के लिए 2 लाख 1 हजार 282 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- गृह विभाग के लिए 12876 करोड़ रुपए। जो बीते वर्ष की तुलना में 1585 करोड़ रुपए ज्यादा है।
- जेल विभाग के लिए 794 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- खाद्यान्न योजना के लिए 7132 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- श्रम विभाग के लिए 1808 करोड़ रुपए का प्रावधान।

गोशालाओं में आहार की राशि दोगुनी की

गोशालाओं में गायों के आहार के लिए रोज प्रति गाय 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए किए गए। राष्ट्रीय उद्यान और बफर क्षेत्र में वन्य जीव प्राणी-मानव संघर्ष को रोकने के लिए 3000 किलोमीटर फेंसिंग की जाएगी।

1 लाख किलोमीटर सड़कें, 500 रेलवे ओवर ब्रिज बनेंगे

- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में नई योजना क्षतिग्रस्त पुलों का पुनर्निर्माण शुरू की जा रही है। इसके लिए 100 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है।
- ऐसे गांव, जो मुख्य सड़क से दूर हैं या वहां तक सड़क उपलब्ध नहीं हैं, वहां मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना प्रारंभ की जा रही है?। इसके लिए 100 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान रखा गया है।
- इस वर्ष 3500 किलोमीटर नई सड़क और 70 पुल बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है।
- अगले 5 वर्ष में प्रदेश में 1 लाख किलोमीटर सड़क बनाने का लक्ष्य है। 500 रेलवे ओवर ब्रिज और फ्लाईओवर भी बनाए जाएंगे।
- 19 वृहद, मध्यम और 87 लघु सिंचाई परियोजना प्रस्तावित हैं। इनसे 7 लाख 2 हजार हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित हो सकेगा। सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण और संधारण के लिए 17863 करोड़ रुपए रखे गए हैं।जल जीवन मिशन के लिए 17135 करोड़ रुपए का प्रावधान।

प्रदेश में हवाई सफर और आसान होगा

प्रदेश में वायु सेवा के माध्यम से यात्रा सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे मप्र के शहरों और देश के महत्वपूर्ण शहरों के मध्य आवागमन शीघ्र तथा सुगम होगा। रीजनल कनेक्टिविटी

योजना उड़ान के अंतर्गत छिंदवाड़ा, नीमच, शहडोल, शिवपुरी, खंडवा, मंडला, झाबुआ एवं उज्जैन हवाई पट्टियों का विकास हो रहा है। दतिया हवाई पट्टी को विमानतल के रूप में विकसित किया गया है। शिवपुरी हवाई पट्टी को विमानतल के रूप में विकसित किया जाएगा। रीवा विमानतल, प्रदेश का छठवां वाणिज्यिक विमानतल बनाया गया है। ग्वालियर विमानतल को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप दिया जा चुका है। उज्जैन हवाई पट्टी को हवाई कनेक्टिविटी के रूप में विस्तारित किए जाने का कार्यवाही प्रगतिरत है।

कुपोषण मिटाने महिला मुखिया को हर महीने 1500 रुपए

बैगा, भारिया और सहरिया परिवारों को कुपोषण से मुक्ति आहार अनुदान के तहत 2.20 लाख महिलाओं के खातों में 1500 रुपए दिए जा रहे हैं।विशेष पिछड़ी जनजातीय बहुल क्षेत्रों में पीएम जनमन योजना में 53 हजार से अधिक आवास बनाए हैं। बच्चों की शिक्षा के लिए 22 नए छात्रावास बनेंगे। 11 लाख परिवार लाभांवित हैं। धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान को लागू किया जाएगा। इससे 259 विकासखंडों के 11377 गांवों का कायाकल्प किया जाएगा। इससे 19 लाख जनजातीय परिवारों समेत 94 लाख परिवार लाभांवित होंगे। इसके लिए 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास

● अटल कृषि ज्योति योजना के लिए 13909 करोड़ का प्रावधान। ● 5 एच.पी. के कृषि पम्पों/थ्रेशरों एवं एक बत्ती कनेक्शन को निशुल्क विद्युत प्रदाय हेतु 5299 करोड़। ● मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत 5220 करोड़। ● प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 2001 करोड़। ● मुख्यमंत्री कृषक फसल उपार्जन सहायता योजना के अंतर्गत 1000 करोड़ का प्रावधान। ● समर्थन मूल्य पर फसल उपार्जन पर बोनस हेतु 1000 करोड़ का प्रावधान। ● मुख्यमंत्री कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत 850 करोड़। ● राष्ट्रीय कृषि विकास योजना 275 करोड़। ● ट्रेक्टर, कृषि उपकरणों पर अनुदान हेतु 230 करोड़। ● आत्मा परियोजना के अंतर्गत 70 करोड़।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मन्त्रि-परिषद की बैठक विधानसभा के कैलाश समिति कक्ष क्रमांक 1 में वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई।

विकास और जनकल्याण को गति देने वाला बजट

पूर्व मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा- ये बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के निर्माण के लिए विकसित मध्यप्रदेश का बजट है। ये प्रदेश के विकास और जनकल्याण को गति और नई दिशा दे रहा है। विशेषकर लाड़ली बहना हो या लाड़ली लक्ष्मी...महिलाओं के लिए योजनाओं के लिए अभूतपूर्ण प्रावधान इस बजट में हैं। ये मील का पत्थर साबित होगा।

विजन और मध्य प्रदेश के सर्वांगीण विकास का बजट

मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सरकार के बजट की तारीफ करते हुए कहा है कि ये एक अच्छा बजट है इसमें कोई भी नया टैक्स नहीं लगाया गया है, सरकार ने हर वर्ग को छुआ है ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप बजट है, उन्होंने बजट को मध्य प्रदेश के सर्वांगीण विकास का बजट बताया।

कर्ज का बजट ला रहे, ये ब्रांडिंग की सरकार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- बीजेपी सरकार कर्ज का बजट ला रही है। राज्यपाल के अभिभाषण से स्पष्ट है कि प्रदेश के युवाओं के लिए कोई नई नीति नहीं है। किसान आर्थिक रूप से संपन्न कैसे होगा? सरकार कर्ज में डूबी है। प्रति व्यक्ति 50 हजार का कर्ज है। ये सिर्फ ब्रांडिंग की सरकार है।

अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण के लिए 25 करोड़

जनजातीय विद्यार्थियों के लिए 23 हजार प्राथमिक स्कूल, 6800 माध्यमिक स्कूल, 1100 हाई स्कूल, 900 उच्चतर माध्यमिक स्कूल, 1078 आश्रम, 1032 सीनियर छात्रावास, 210 उत्कृष्ण सीनियर छात्रावास, 197 जूनियर छात्रावास, 154 महा विद्यालय छात्रावास, 81 कन्या शिक्षा परिसर, 8 आदर्श विद्यालय संचालित हैं। बैगा, भारिया को कुपोषण से मुक्ति आहार अनुदान के तहत 2.20 लाख महिलाओं के खातों में 1500 रुपए दिए जा रहे हैं। बैगा, भारिया और सहरिया परिवारों को कुपोषण से मुक्ति आहार अनुदान के तहत 2.20 लाख महिलाओं के खातों में 1500 रुपए दिए जा रहे हैं। विशेष पिछड़ी जनजातीय बहुल क्षेत्रों में पीएम जनमन योजना में 53 हजार से अधिक आवास बनाए हैं। बच्चों की शिक्षा के लिए 22 नए छात्रावास बनेंगे।

कायस्थम का होली मिलन रंग बरसे कार्यक्रम 15 मार्च को होगा चित्रांश बंधु खेलेंगे फूलों और गुलाल की होली

भोपाल। कायस्थ समाज की अग्रणी संस्था कायस्थम भोपाल, मध्य प्रदेश द्वारा होली के दूसरे दिन शनिवार 15 मार्च को शाम 4 बजे से होली मिलन कार्यक्रम रंग बरसे आयोजित किया जाएगा। होली मिलन रंग बरसे कार्यक्रम में संस्था कायस्थम के सदस्य और अन्य चित्रांश बंधु एक- दूसरे को गुलाल लगाकर फूलों से होली खेलेंगे तथा एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं देंगे। कार्यक्रम में होली के सुमधुर गीतों की प्रस्तुति भी होगी। कायस्थम के महासचिव श्री अभय श्रीवास्तव, सचिव डॉ. रश्मि सक्सेना ने बताया कि भोपाल हाट बाजार के पीछे 9 मसाला के उद्यान में शाम 4 बजे से 7 तक होली मिलन रंग बरसे का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सभी चित्रांश बंधुओ को आमंत्रित किया गया है।

डॉ. प्रेरणा उपाध्याय पायोनियर वुमेन ऑफ प्रोग्रेस अवार्ड से सम्मानित

संत हिरदाराम नगर। भारतीय वायु सेना के पूर्व एअर मार्शल डॉ. पवन कपूर ने सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. प्रेरणा उपाध्याय को मुंबई में पायोनियर वुमेन ऑफ प्रोग्रेस अवार्ड से सम्मानित किया। डॉ. प्रेरणा उपाध्याय ने विगत 30 वर्षों में संत हिरदाराम नगर भोपाल स्थित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में एक लाख से भी अधिक नेत्र रोगियों के सफल आपरेशन किए हैं। इसके अलावा डॉ प्रेरणा ने वर्ष 1994 से अब तक मध्यप्रदेश में सर्वाधिक 2200 से अधिक नेत्र प्रत्यारोपण भी किए हैं। अंतर्राष्ट्रीय सेवा संस्थान सिक्स सिगमा ने डॉ. प्रेरणा के जीवनकालिक योगदान के लिए उन्हें इस सम्मान से सम्मानित किया। संस्थान ने जे एंड के कैडर की आईपीएस एनकाउंटर स्पेशलिस्ट शाहीदा गांगुली टाइग्रेस ऑफ कश्मीर, वर्ष 2008 में मुम्बई में हुए आंतकी हमलें के मुख्य आतंकी कसाब को पकड़ने वाले मंगेश नायक को भी सम्मानित किया। डॉ. प्रदीप भारद्वाज फॉदर ऑफ माऊंटेन मेडिसिन के सीईओ, सिक्स सिगमा अवार्ड की डायरेक्टर अनीता भारद्वाज द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

बोर्जेस ने एलमंड्स एवं एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल पेश किए

भोपाल। मेडिटेरेनियन फूड प्रोडक्ट्स में प्रतिष्ठित नाम, बोर्जेस इंडिया ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए दो नए प्रीमियम प्रोडक्ट - जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स और सिंगल वैरायटी एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल पेश किए हैं। इन नए उत्पादों से गुणवत्ता, स्वास्थ्य और सस्टेनेबिलिटी की बोर्जेस की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। ये उत्पाद भारतीय ग्राहकों को मेडिटेरेनियन डाईट के अनुरूप इनोवेटिव और पोषण से भरपूर विकल्प उपलब्ध कराएंगे। जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू एलमंड्स बोर्जेस इंडिया द्वारा पेश किए गए जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स बाजार में अपनी तरह की पहली पेशकश हैं। स्पेन से लाए गए खास किस्म के ये बादाम अपने मीठे स्वाद के लिए मशहूर हैं। बोर्जेस इंडिया ने जैडपीआर एलमंड के दो वैरिएंट पेश किए हैं। पहला है, ब्लांश्ड एवं रोस्टेड एलमंड और दूसरा है रोस्टेड एलमंड विद स्किन। ये दोनों वैरिएंट ग्लूटेन-फ्री हैं। इन्हें हाई फाईबर और प्रोटीन के साथ पैक किया गया है। इसलिए ये स्वस्थ जीवनशैली के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। ये बादाम जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू के कारण सबसे अलग हैं।बोर्जेस इंडिया ने अपने ओलिव ऑयल और मेडिटेरेनियन उत्पादों की सफलता को आगे बढ़ाते हुए दो सिंगल वैरायटी एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल पेश किए हैं। इनमें फ्रूटी एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल और कैरेक्टर एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल शामिल हैं। ये स्वादिष्ट एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल सिंगल वैरायटी ओलिव से बने हैं।

समाज के कई लोगों का सम्मान किया

लायन्स क्लब इंटरनेशनल की हुई ग्रीन रीजन कान्फ्रेंस

भोपाल। लायन्स क्लब इंटरनेशनल के पी.आर.ओ. लायन संजय गुप्ता एडवोकेट द्वारा बताया गया कि लायन्स क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 32-33 जी-2 रीजन 2 ग्रीन रीजन कान्फ्रेंस रबरीत हरनूर पैलेस श्यामला हिल्स भोपाल में संपन्न हुई। उपरोक्त कान्फ्रेंस की अध्यक्षता रीजन-2 के रीजन चेयर पर्सन लायन पी.एम.जे.एफ लायन नरेन्द्र सिंह जग्गी द्वारा की गई एवं मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गर्वनर लायन मनीष शाह उपस्थित थे एवं मुख्य वक्ता के रूप में जी.एस.टी वाईस एरिया लीडर लायन कुलभूषण मित्तल थे एवं प्रथम वाईस गर्वनर लायन प्रवीण वशिष्ठ एवं द्वितीय वाईस गर्वनर लायन महेश मालवीय विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उपरोक्त कान्फ्रेंस में समाज के कई लोगों का सम्मान किया गया एवं बेनर प्रस्तुत किया गया एवं अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष को भी सम्मानित किया गया। लायन संजय गुप्ता एडवोकेट द्वारा राजपाल महामहिम मंगू भाई पटेल एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा भेजे गये शुभकामनाएँ संदेश का वाचन किया गया। नरेन्द्र सिंह द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान करते हुये उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। उपरोक्त कान्फ्रेंस में मुख्य रूप से सभी पूर्व डिस्ट्रिक्ट गर्वनर लायन परमानंद राजानी, लायन बी.सी. जैन, लायन जयपाल सचदेवा, लायन मुकेश माथुर, लायर अतुल शाह, लायन डॉ. प्रकाश सेठ, लायन डॉ. आर. के. चौरसिया, लायन पी. एस. बग्गा एवं पूर्व रीजन चेयर पर्सन डॉ. पी.सी. कोठारी उपस्थित थे। संजय गुप्ता

30 मार्च से चैत्र नवरात्रि, जानें कलश स्थापना मुहूर्त व माता की सवारी

चैत्र नवरात्रि शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होती है। 30 मार्च से 7 अप्रैल तक मां जगदंबे की पूजा की जाएगी। 30 मार्च को घट स्थापित होगी और पहला व्रत रखा जाएगा। इस दिन मां दुर्गा के पहले स्वरूप शैलपुत्री की पूजा होगी। 9 दिन माता के अलग-अलग स्वरूप की पूजा की जाएगी। देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा का पर्व चैत्र नवरात्र 30 मार्च को कलश स्थापना के साथ शुरू होगा। इस बार सर्वार्थ सिद्धि योग में मां जगदंबे की आराधना होगी। इस बार माता का आगमन हाथी पर होगा। आइए जानते हैं चैत्र नवरात्रि के दिन कलश स्थापित कब करना शुभ रहेगा व माता कि सवारी क्या होगी-

कलश स्थापना मुहूर्त- पुरोहित संतोष त्रिपाठी के अनुसार, कलश स्थापना पूजा का संकल्प होता है। विशेष पूजा से पहले कलश की स्थापना की जाती है। यह शुभ मुहूर्त में करना आवश्यक है। चैत्र नवरात्र पर कलश स्थापना के साथ माता शैलपुत्री की पूजा होगी। घट स्थापना का शुभ मुहूर्त 30 मार्च 2025 को सुबह 06.13 से 10.22 बजे तक है। वहीं, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12.01 से 12.50 बजे तक रहेगा। इन मुहूर्त पर कलश स्थापना कर पूजा का संकल्प लेना चाहिए।

माता की सवारी- चैत्र नवरात्रि का आरंभ इस साल रविवार से हो रहा है। इस साल मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर आएंगी। इसे शुभ संकेत माना जाता है। हाथी पर मां के आगमन से धन-धान्य में वृद्धि होती है। वहीं, मां दुर्गा का प्रस्थान सोमवार 7 अप्रैल को हाथी पर ही होगा। इस शुभ अवसर मां दुर्गा की पूजा करने पर मनोकामनाएं सिद्ध हो सकती है।

सरकारी स्कूलों में कक्षा 9 में ड्रॉप-आउट दर को कम करने के लिए ब्रिज कोर्स

भोपाल। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर और दक्षता को सुधारने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ब्रिज कोर्स का संचालन कर रहा है। इसके लिये हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय के 9 हजार 312 रिसोर्सपर्सन तैयार किये गये हैं। इनका प्रशिक्षण भोपाल के वाल्मी संस्थान में फरवरी माह में कराया जा चुका है। प्रदेश में 4 हजार 200 हाई स्कूल और 4 हजार 100 हायर सेकेण्डरी सरकारी स्कूल हैं। अब इन स्कूलों में हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित के एक-एक शिक्षक को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था मार्च माह से शुरू कर दी गई है। प्रदेश में लगभग 27 हजार शिक्षकों को ब्रिज कोर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ब्रिज कोर्स के माध्यम से सरकारी स्कूलों को ड्रॉप-आउट दर को कम करने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक अप्रैल माह में और 16 जून से 20 जुलाई तक ब्रिज कोर्स का संचालन करेंगे। ब्रिज कोर्स का संचालन सभी सरकारी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों में होगा। इसके साथ ही इन 3 विषयों के अलावा विज्ञान एवं संस्कृत विषय की पढ़ाई भी इन बच्चों को कराई जायेगी।

लोक शिक्षण संचालनालय ने स्कूल में लगने वाली ब्रिज कोर्स की समय-सारणी भी तैयार की है। ब्रिज कोर्स के दौरान ही 5 और 12 अप्रैल को इन विद्यार्थियों का बेस लाइन टेस्ट अंग्रेजी, गणित और हिन्दी में लिया जायेगा। बेस लाइन टेस्ट पेपर 31 मार्च को स्कूल शिक्षा विभाग के विमर्श पोर्टल पर अपलोड कर दिये जायेंगे। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं। तय तिथियों में जो विद्यार्थी किन्ही वजह से टेस्ट नहीं दे पायेंगे, उनके लिये अलग व्यवस्था की गई है। बेस लाइन टेस्ट की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन संबंधित शिक्षकों द्वारा उसी दिन किये जाने की व्यवस्था की गई है। बेस लाइन टेस्ट में कम दक्षता वाले विद्यार्थियों के लिये अंग्रेजी, हिन्दी और गणित विषय के ब्रिज कोर्स की व्यवस्था की गई है। रकारी हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में ब्रिज कोर्स की समाप्ति पर 20 जुलाई के बाद विद्यार्थियों की गुणवत्ता जांचने के लिये एंडलाइन टेस्ट की भी व्यवस्था की जा रही है। यह टेस्ट 21 से 25 जुलाई के बीच होगा। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी सरकारी स्कूलों को निर्देश दिये हैं। ब्रिज कोर्स की मॉनिटरिंग के लिये 3 स्तर पर राज्य, संभाग और जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की जायेगी। जिला शिक्षा अधिकारी को प्रति माह कम से कम 10 विद्यालयों में मॉनिटरिंग किये जाने के लिये कहा गया है। उनके इस कार्य में जिला परियोजना समन्वयक और विकासखंड शिक्षा अधिकारी मदद करेंगे।

शहर के सौन्दर्य को बिगाड़ने वालों पर नगर निगम अमले ने की कड़ी कार्रवाई

भोपाल। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायण द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में जोन क्रमांक 14 के अमले द्वारा वार्ड क्रमांक 56, 57, 60 व 61 में सार्वजनिक स्थलों पर बिना अनुज्ञा प्राप्त किए बैनर, पोस्टर, पम्पलेट व स्टीकर लगाकर अपने संस्थानों का प्रचार-प्रसार करने और शहर की सुन्दरता को बिगाड़ने वाले संस्थानों से संपर्क कर प्रचार सामग्री को हटवाया गया तथा 07 प्रकरणों में 01 हजार 800 रूपये का जुर्माना किया गया। इसके साथ ही 03 व्यक्तियों/संचालकों द्वारा सामग्री न हटाने व जुर्माना जमा न करने पर इनके विरूद्ध संपत्ति विरूपण अधिनियम 1994 के अंतर्गत प्रकरण तैयार कर थाना गोविन्दपुरा व थाना अवधपुरी में एफआईआर दर्ज करने हेतु आवेदन दिए गए। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायण द्वारा मंगलवार को साफ-सफाई व्यवस्था के प्रातःकालीन निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों के परिपालन में जोन क्रमांक 14 के अमले द्वारा वार्ड क्रमांक 56, 57, 60 व 61 के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया जिसमें अवधपुरी चौराहा, महात्मा गांधी चौराहा, बस स्टॉप व विजय मार्केट सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर बिना अनुज्ञा प्राप्त किए बैनर, पोस्टर, पम्पलेट व स्टीकर लगाकर अपने संस्थानों का प्रचार-प्रसार करने और शहर की सुन्दरता को बिगाड़ने वाले संस्थानों से मोबाइल पर संपर्क कर स्थल पर बुलाकर उनके द्वारा लगाई गई प्रचार सामग्री को हटवाया गया। सार्वजनिक संपत्ति को खुर्द-बुर्द कर बिना अनुज्ञा प्रचार-प्रसार करने पर 07 प्रकरणों में 01 हजार 800 रूपये का जुर्माना किया गया।

मिनिमली इनवेसिव हार्ट सर्जरी स्वस्थ भविष्य की बेहतर उम्मीद: डॉ. दिलीप सिंह राठौड़

भोपाल। हार्ट सर्जरी में एक नई सफलता मरीजों के लिए उम्मीद लेकर आई है, जिससे उनकी रिकवरी का समय कम हो रहा है और वे जल्दी स्वस्थ हो सकते हैं। मिनिमली इनवेसिव कार्डिएक सर्जरी हृदय रोगों के इलाज का तरीका बदल रही है, जिससे गंभीर रूप से बीमार मरीज भी जल्दी ठीक हो सकते हैं। मिनिमली इनवेसिव कार्डिएक सर्जरी एक आधुनिक तकनीक है, जिसमें सर्जन छोटे चीरे के माध्यम से हृदय की सर्जरी करते हैं, बिना स्तन की हड्डी (ब्रेस्टबोन) को काटे। यह तरीका दर्द को काफी कम करता है, संक्रमण के खतरे को घटाता है और अस्पताल में भर्ती रहने के समय को कम कर देता है। मरीजों को तेजी से रिकवरी, कम निशान और सामान्य जीवन में जल्दी रिकवरी का लाभ मिलता है। रूढ्ढष्टस् उन लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है, जिन्हें कई प्रक्रियाओं की जरूरत होती है, क्योंकि इससे अगली सर्जरी से पहले रिकवरी का समय कम हो जाता है। 26 वर्षीय मरीज को गंभीर हृदय और किडनी फेलियर के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें तुरंत आईसीयू में रखा गया और सांस लेने में मदद के लिए वेंटिलेटर पर रखा गया। समस्या का कारण हृदय की एक प्रमुख वाल्व का कठोर और बंद हो जाना था, जिससे सांस फूलना, पैरों में सूजन और

हार्ट फेलियर जैसी दिक्कतें हो रही थीं। डॉक्टरों को तुरंत वाल्व बदलना था, लेकिन मरीज को किडनी ट्रांसप्लांट की भी जरूरत थी। आमतौर पर, इतनी बड़ी सर्जरी के बाद पूरी तरह ठीक होने में समय लगता है, जिससे दूसरी प्रक्रिया में देरी हो सकती है। लेकिन इस मामले में इंतजार करना संभव नहीं था। सबसे बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सर्जरी टीम ने मिनिमली इनवेसिव तकनीक से हृदय वाल्व को बदला। छाती खोलने के बजाय, उन्होंने पसलियों के बीच केवल 5 सेंटीमीटर का छोटा चीरा लगाया, जिससे मरीज की रिकवरी बहुत तेजी से हुई। सिर्फ दो दिनों में ही वह इतनी अच्छी स्थिति में था कि उसे आईसीयू से बाहर लाया गया।

अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन 27 अप्रैल को

इटारसी। अग्रवाल समाज इटारसी द्वारा तरुण अग्रवाल मंडल के तत्वावधान में,अग्रवाल महिला मंडल, बहू रानी मंडल,युवक दल,महासभा के सहयोग से अखिल भारतीय नि:शुल्क अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन 27 अप्रैल को द पार्क क्लब एंड रिसोर्ट में होगा। मंडल अध्यक्ष सुरेश गोयल एवं संयोजक राजेश आर बी अग्रवाल ने बताया कि परिचय फार्म हार्ड कॉपी में प्रिंट कराकर अथवा आनलाइन वेबसाइट से या डाउन लोड कर भरे जा सकेंगे, ईमेल पर भी भेजे जा सकेंगे । मंडल सचिव गुलाबचंद अग्रवाल ने बताया कि पंजीयन व परिचय (बायोडाटा)प्रकाशन एक आकर्षक पुस्तिका रूप में नि:शुल्क प्रकाशित होंगे। आवास व्यवस्था अग्रवाल भवन मे नि:शुल्क रहेगी। द पार्क क्लब एंड रिसॉर्ट में सशुल्क रहेगी ।साथ ही इटारसी के सामाजिक बंधुओं के सहयोग से स्टेशन के समीप स्थित होटलों में बाहर से आने वाले अग्रवाल बंधुओं के लिए रूम उपलब्ध रहेंगे । जन्म पत्रिका मिलान अपेक्षित होने पर विद्वान जानकारों द्वारा मौके पर ही किया जा सकेगा।पत्रिका संयोजक संजय हरगोविंद अग्रवाल ने बताया कि तलाकशुदा,विधवा,विधुर,

विकलांग प्रत्याशियों का पंजीयन प्रकाशन भी पृथक से होगा। बायोडाटा फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल रहेगी । प्रदेश के कई शहरों में फार्म लोकल काउंटर पर उपलब्ध रहेंगे। फोटो कॉपी भी मान्य होगी। मीडिया प्रभारी संजय शिल्पी अग्रवाल , सह प्रभारी राहुल बसंत अग्रवाल ओर प्रचार प्रसार समिति संयोजक गौरव मित्तल साथियों सहित विभिन्न क्षेत्रों के अग्रबंधुओं से संपर्क कर रहे है। सह संयोजक सत्यम अशोक अग्रवाल ,प्रशांत बजरंगलाल अग्रवाल ,मनीष रामलाल अग्रवाल , कामेश अग्रवाल और इटारसी समाज की ओर से सभी अग्रवाल बंधुओ से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित हो और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करें।

युवक कांग्रेस के अध्यक्ष नहीं जुटा पाए भीड़, जीतू पटवारी माफी मांगें: जालम सिंह

जबलपुर। प्रदेश सरकार के मंत्री प्रहलाद पटेल के सुठालिया में दिए बयान के बाद कांग्रेस हमलावर है। जिसे प्रदेश का लोधी समाज रानी अवंती बाई के मूर्ति अनावरण कार्यक्रम को अपमान मानकर कांग्रेस के सामने खड़ा हो गया है। वह भी पूरे प्रदेश में जनसामान्य को साथ लेकर जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर प्रदेश कांग्रेस के मुखिया जीतू पटवारी का पुतला फूंक रहा है। साथ राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर लोधी समाज ने वीरांगना रानी अवंती बाई के अपमान को लेकर राज्यपाल से कार्यवाही की मांग की है। विभिन्न धड़ों में बंटी कांग्रेस का नज़ारा जबलपुर में मंत्री पटेल के निवास के घेराव आंदोलन में देखने को मिली। मंगलवार को युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव के नेतृत्व में मंत्री श्री पटेल के जबलपुर स्थित निवास सैनिक सोसाइटी पर घेराव करने पहुंचे थे। घेराव आंदोलन में संख्या न आने से एक बार आंदोलन के स्थगित होने की सूचना भी आई। लेकिन हिम्मत जुटाकर युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव के नेतृत्व में 30 से 40 कार्यकर्ता घेराव करने पहुंचे। भारी संख्या में प्रहलाद पटेल के समर्थकों व लोधी समाज के लोगों की उपस्थिति की सूचना लगते ही सैनिक सोसाइटी कालोनी के गेट के बाहर ही नारेबाजी, प्रदर्शन कर उल्टे पांव गोरखपुर एसडीएम अनुराग सिंह को ज्ञापन सौंप बिना घेराव किए वापिस लौट गए।

मंत्री के निवास पर जुट हजारों समर्थक

जैसे ही युवक कांग्रेस के द्वारा मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के घर के घेराव की सूचना उनके समर्थकों को लगी तो भारी संख्या में समर्थक व लोधी समाज के लोग श्री पटेल के निवास पर पहुंच गए। प्रशासन ने टकराव की आशंका के चलते भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। यहां तक कि तीन थानों के पुलिस बल के साथ एक उच्च पुलिस अधिकारी को इसकी जिम्मेदारी सौंपी।

पटवारी जब तक माफी नहीं मांगते आंदोलन जारी रहेगा

लोधी समाज के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि कांग्रेस सुठालिया में आयोजित रानी अवंती बाई लोधी मूर्ति अनावरण कार्यक्रम के बारे में भ्रम फैलाकर लोधी समाज व वीरांगना रानी अवंती बाई का अपमान कर रही है। श्री पटेल ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल ग्रामीण विकास व पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल के वक्तव्य को तोड़ मरोड़ कर पेश कर बदनाम कर रही है। समाज को स्वाभिमान के साथ जीने की बात करना गौरव की बात है। इसे लोधी समाज गलत नहीं मानता है। इसलिए जब तक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी माफी नहीं मांगते तब तक प्रदेश लोधी समाज का उनके खिलाफ आंदोलन जारी रहेगा।

कॉमेडके/यूनिगेज यूजीईटी 2025 की प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन की तारीख घोषित

भोपाल। पिछले पांच दशकों में, कर्नाटक ने हायर एजुकेशन में अपने आप को हमेशा आगे रखा है, जिसने देश के सभी कोनों से बड़े बड़े सपने देखने वाले इंजीनियरों को आकर्षित किया है। राज्य में कई अच्छे कॉलेज हैं, जहां अलग-अलग तरह के कोर्स उपलब्ध हैं। यहां के छात्रों को अच्छी नौकरियां भी मिलती हैं। इस स्ट्रोंग एजुकेशन सिस्टम की वजह से स्किल्ड लोग तैयार हो रहे हैं, जो देश और विदेश में कामयाबी हासिल कर रहे हैं। कॉमेडके यूजीइटी / यूनिगेज 2025 प्रवेश परीक्षा शनिवार, 10 मई, 2025 को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा कर्नाटक के 150 से ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेजों और देशभर के 50 से ज्यादा प्राइवेट और सेल्फ- फंडेड यूनिवर्सिटीज में प्रवेश के लिए होती है। इसे कुपेका और यूनिगेज से जुड़े संस्थानों में बी.ई/बी.टेक में एडमिशन के लिए आयोजित किया जाता है। यह ऑनलाइन परीक्षा भारत के 200 से ज्यादा शहरों में 400 से अधिक सेंटर पर होगी। इसमें 1,20,000 से ज्यादा छात्र शामिल हो सकते हैं। देशभर के छात्र इस परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। 2022 में, कॉमेडके ने छात्रों की स्किल्स को सुधारने के लिए कई कोर्स प्रदान करके छात्रों को वर्कफोर्स के लिए तैयार करने के लिए 8 कॉमेडके केर्स इनोवेशन हब पेश किए। कॉमेडके के अब कर्नाटक में 10 इनोवेशन हब हैं।

प्रदेश की 4 ऐतिहासिक धरोहरों का यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट में शामिल होना गौरव का विषय: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक धरोहरों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। प्रदेश के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि यूनेस्को ने प्रदेश की चार ऐतिहासिक धरोहरों को सीरियल नॉमिनेशन के तहत टेंटेटिव लिस्ट में शामिल किया है। सम्राट अशोक के शिलालेख, चौसठ योगिनी मंदिर, गुप्तकालीन मंदिर और बुंदेला शासकों के महल और किलों को यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट में घोषित होना प्रमाणित करता है कि मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व के कारण देश में विशेष स्थान रखता है। गत वर्ष भी यूनेस्को ने प्रदेश की 6 धरोहरों, ग्वालियर किला, बुरहानपुर का खुनी भंडारा, चंबल घाटी के शैल कला स्थल, भोजपुर का भोजेश्वर महादेव मंदिर, मंडला स्थित रामनगर के गोंड स्मारक और धमनार का ऐतिहासिक समूह को टेंटेटिव लिस्ट में शामिल किया था। मध्यप्रदेश में अब यूनेस्को द्वारा घोषित 18 धरोहरों है। जिसमें से 3 स्थाई और 15 टेंटेटिव सूची में है। यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में प्रदेश के खजुराहो के मंदिर समूह, भीमबेटका की गुफाएं एवं सांची स्तूप यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल स्थायी सूची में शामिल है। वहीं यूनेस्को की टेंटेटिव सूची में मांडू में स्मारकों का समूह, ओरछा का ऐतिहासिक समूह, नर्मदा घाटी में भेड़ाघाट-लमेटाघाट, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और चंदेरी भी शामिल है। यह उपलब्धि हमारी धरोहरों के संरक्षण तथा संवर्धन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिये एमपी टूरिज्म बोर्ड, संस्कृति विभाग, पुरातत्वविदों, इतिहास प्रेमियो, संस्थाओं और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है जिन्होंने ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने में अमूल्य योगदान दिया हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मध्यप्रदेश को विश्व पर्यटन मानचित्र पर नई ऊंचाइयाँ देगी, साथ ही हमारे गौरवशाली अतीत को नई पहचान दिलाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से आव्हान किया कि हम सब मिलकर अपनी धरोहरों के संरक्षण के लिए संकल्पबद्ध रहें और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक गरिमा को और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

मौर्य कालीन अशोक के शिलालेख

मौर्य कालीन अशोक के शिलालेख स्थल भारत के प्राचीनतम लिखित अभिलेख हैं। इन शिला और स्तंभ लेखों में सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म, शासन और नैतिकता से संबंधित संदेश अंकित हैं, जो 2,200 से अधिक वर्षों से संरक्षित हैं। मध्य प्रदेश में पर्यटक साँची स्तंभ अभिलेख, जबलपुर में रूपनाथ लघु शिलालेख, दतिया में गुज्जरा लघु शिलालेख और सीहोर में पानगुरारिया लघु शिलालेख को शामिल किया गया हैं।

सांची मे अशोक के शिलालेखचौंसठ योगिनी मंदिर

प्रदेश में 9वीं से 12वीं शताब्दी के बीच निर्मित चौंसठ योगिनी मंदिर तांत्रिक परंपराओं का प्रतीक हैं। इन मंदिरों की गोलाकार, खुले आकाश के नीचे बनी संरचनाएँ, जटिल शिल्पकला और आध्यात्मिक महत्व अद्वितीय हैं। इसमें खजुराहो, मितावली (मुरैना), जबलपुर, बदोह (जबलपुर), हिंगलाजगढ़ (मंदसौर), शहडोल और नरेसर (मुरैना) के चौसठ योगिनी मंदिर को शामिल किया गया है। प्रदेश में सांची, उदयगिरि (विदिशा), नचना (पन्ना), तिगवा (कटनी), भूमरा (सतना), सकोर (दमोह), देवरी (सागर) और पवाया (ग्वालियर) में स्थित गुप्तकालीन मंदिर को यूनेस्को द्वारा शामिल किया गया है। गुप्तकालीन मंदिर भारतीय मंदिर वास्तुकला में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाते हैं। मंदिर उत्कृष्ट नक्काशी, शिखर शैली और कलात्मक सौंदर्य को प्रदर्शित करते हैं।

बुंदेला काल के गढ़कुंडार किला, राजा महल, जहाँगीर महल, दतिया महल और धुबेला महल, राजपूत और मुगल स्थापत्य कला के बेहतरीन संगम को दर्शाते हैं। ये महल बुंदेला शिल्पकला, सैन्य कुशलता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की अद्भुत मिसाल हैं।

भोपाल। मप्र चार वाले समूह की सहयोगी संस्था महिला अधिकार मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष दीदी श्रीमती ज्योति सिंह दीदी, जिला अध्यक्ष श्रीमती नीता मनवानी दीदी एवं ब्रह्मकुमारी दीदियों ने आज हमें सम्मानित कर कृतज्ञ कर दिया।

त्यौहारों को लेकर पुलिस की व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हों: डीजीपी मकवाणा

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस विभाग के आला अधिकारियों की बैठक ली

भोपाल । होली, रंगपंचमी और ईद के त्यौहारों पर शांति एवं कानून व्यवस्था बहाल रहे और सौहार्द बना रहे, इसके दृष्टिगत पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस विभाग के आला अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में समस्त समस्त एडीजी/आईजी, पुलिस आयुक्त भोपाल एवं इंदौर,रेंज डीआईजी एवं समस्त पुलिस अधीक्षक शामिल हुए। बैठक में स्पेशल डीजी सीआईडी पवन श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ अधिकारी तथा एडीजी (इंटेलिजेंस) योगेश देशमुख और आईजी लॉ एंड ऑर्डर अंशुमान सिंह भी उपस्थित रहे।

डीजीपी मकवाणा ने कहा कि प्रदेश भर में आयोजित होने वाले त्यौहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाने के लिए हमें तैयार रहना है। त्यौहारों में नागरिक उत्साहपूर्वक सम्मिलित हो रहे हैं, जिसके दृष्टिगत पुलिस की व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हों, यह सुनिश्चित किया जाए। पुलिस अधीक्षक पूरे बल की गहन समीक्षा कर सभी संवेदनशील तथा उपयुक्त स्थल पर पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करें। ग्राम/नगर रक्षा समिति तथा ग्राम कोटवारों का भी सहयोग लें। उन्होंने कहा कि जिला एवं थाना स्तर के अलावा आवश्यकतानुसार बीट्स, मोहल्ला पर भी शांति समिति की बैठक आयोजित करें। बीट स्तर की इंटेलीजेंस को अत्यधिक सक्रिय रखें। डीजीपी ने रमजान, होली और रंगपंचमी के अवसर पर कड़े सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिलों में शांति समितियों की बैठकें करने के साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी धर्मगुरुओं से समय-समय पर संवाद और समन्वय बनाए रखें। कहीं किसी प्रकार की समस्या या परेशानी होने की स्थिति में उसका समाधान समय से सुनिश्चित कराया जाए। त्योहारों के मद्देनजर सभी ध्यान रखें कि सांप्रदायिक सद्भाव बना रहे।

महिला सुरक्षा के प्रति रहें सजग: डीजीपी मकवाणा ने कहा कि त्यौहारों के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि महिलाओं के साथ कोई अभद्रता की घटना ना हो। महिलाओं के साथ छेड़खानी करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान डीजीपी श्री मकवाणा ने बल देते हुए कहा कि होली और रंगपंचमी पर होने वाली असामाजिक गतिविधियों को रोकने के लिए तैनात रहें। विशेष तौर पर अवैध शराब कारोबारियों पर कार्रवाई की जाए। लाइसेंसी शराब दुकानें शासन के निर्धारित समय पर खुलें एवं बंद हों, यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। वहीं डीजे पर आपत्तिजनक गाने ना बजाए जाएं, इसके लिए डीजे संचालकों को निर्देशित करें। उन्होंने कहा कि अवांछित तत्वों के विरुद्ध कड़ी निरोधात्मक कार्यवाही की जाए। सभी संवेदनशील क्षेत्रों व हॉट स्पॉट की लिस्ट बनाकर वरिष्ठ अधिकारी खुद उनका भ्रमण करें व सुरक्षा प्रबंधों की भी समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थलों और मिली-जुली आबादी वाले क्षेत्रों और जुलूस मार्गों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करें। उन्होंने सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों के जरिये निगरानी और प्रमुख स्थानों पर डायल 100 की पीआरवी को मुस्तैद किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही माइनर एक्ट, अवैध शराब, अवैध शस्त्र, मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों पर भी प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सुरक्षा के दृष्टिगत अन्य विभागों से करें समन्वय: डीजीपी मकवाणा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि होलिका दहन पर आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। नागरिकों को भी समझाइश दें कि बिजली के खंभों, तारों या किसी अन्य ज्वलनशील पदार्थों के आसपास होलिका दहन ना करें। पंचायतों, नगरीय निकायों, स्वास्थ्य विभाग से भी समन्वय करें और फायरब्रिगेड एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

संवेदनशील क्षेत्रों पर रखें विशेष निगरानी: डीजीपी मकवाणा ने कहा कि विगत वर्षों जिन स्थानों पर सांप्रदायिक घटनाएं एवं विवाद की परिस्थितयां बनीं हैं, उन सभी संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर उनकी विशेष निगरानी की जाए। विशेषकर शरारती तत्वों और उपद्रव फैलाने वाले लोगों की पहचान पहले ही कर ली जाए और उन पर विशेष नजर रखी जाए। होली के दौरान होने वाले विवादों को थाना स्तर पर निराकृत करने का प्रयास करें। होली पर निकलने वाले जुलूस के मार्गों को चिह्नांकित कर, यहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करें। इस दौरान पुलिस की निगरानी के लिए वीडियोग्राफी करें, इसके लिए ड्रोन की भी प्रयोग करें। डीजीपी मकवाणा ने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर प्रसारित संदेशों व वीडियो पर सतर्क दृष्टि रखने के निर्देश दिए।

पशुओं की चिकित्सा के लिए वैकल्पिक पद्धतियां भी आवश्यक: पशुपालन मंत्री पटेल

पशुओं की वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति पर हुई दो दिवसीय कार्यशाला

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पशु पालन एवं डेयरी राज्यमंत्री, स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने कहा है कि पशुओं की बीमारियों के समुचित इलाज के लिए वैकल्पिक पशु चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग भी आवश्यक है। वर्तमान में आधुनिक चिकित्सा पद्धति के कारण मनुष्यों एवं पशुओं में जीवाणु रोधी दवाइयां के प्रति प्रतिरोधकता का बढ़ना महामारी का रूप ले रहा है, जो एक भयानक वैश्विक खतरा बनता जा रहा है। आधुनिक चिकित्सा पद्धति से एवं एंटीबॉयोटिक के दुरुपयोग से इसका दुष्प्रभाव मनुष्य एवं पशुओं में देखा जा रहा है, जिसके कारण एएमआर (एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस) की वैश्विक समस्या उत्पन्न हो गई है। अल्टरनेट वेटरिनरी प्रैक्टिस जैसे आयुर्वेद, होम्योपैथी, पारंपरिक चिकित्सा, यूनानी चिकित्सा इत्यादि का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है, जिससे कम खर्च पर आसानी से पशुओं की बिना किसी दुष्प्रभाव के चिकित्सा की जा सकती है।

पशु पालन राज्यमंत्री पटेल ने मंगलवार को होटल पलाश रेसीडेंसी में पशुओं की वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश महेंद्र सिंह, दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के अभय महाजन, अध्यक्ष, वेटनरी काउंसिल ऑफ इंडिया डॉ. उमेशचंद शर्मा, संचालक, पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पी एस पटेल आदि उपस्थित थे। कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 13 विषय विशेषज्ञ और लगभग 100 से अधिक विभागीय अधिकारी शामिल हुए।

पशु पालन राज्यमंत्री पटेल ने कहा कि भारत में आदिकाल से पारंपरिक एवं वैकल्पिक पशु चिकित्सा पद्धति का उपयोग किया जाता था, जिसे पुनः पशुओं की चिकित्सा में बढ़ावा देने एवं जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दो दिवसीय इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों के विचार मंथन से पशु चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुझाव आयेंगे।

निर्वाचन आयोग चुनावी प्रक्रिया को मजबूत बनाने पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं से करेगा बातचीत

आयोग ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों से अनिराकृत मुद्दों के लिए 30 अप्रैल तक मांगे सुझाव

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग ने कानून ढांचे के अंतर्गत चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत बनाने के लिए पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। आयोग ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों से ईआरओ, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय स्तर पर अनिराकृत प्रकरणों की 30 अप्रैल, 2025 तक जानकारी मांगी है। आयोग ने इस संबंध में राजनीतिक दलों को व्यक्तिगत रूप से पत्र भी जारी किया है। पिछले सप्ताह भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक सम्मेलन किया गया था। इसमें भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने सभी प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। बैठक में उन्होंने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ, डीईओ और ईआरओ को राजनीतिक दलों के साथ नियमित बैठक करने और प्राप्त सुझावों पर नियमानुसार निराकरण करने के निर्देश दिए थे। आयोग ने राजनीतिक दलों से विकेंद्रीकृत जुड़ाव के इस तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करने का आग्रह भी किया है।

चुनाव प्रकिया से संबंधित 28 हितधारक हैं, जिसमें राजनीतिक दल एक प्रमुख हितधारक है। जिन्हें संविधान और वैधानिक ढांचे के तहत चुनावी प्रक्रियाओं से जुड़े सभी पहलुओं में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मान्यता दी गई है। आयोग द्वारा राजनीतिक दलों को जारी किए गए पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951; निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960; चुनाव संचालन नियम, 1961; माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देश, मैनुअल और हैंडबुक (ईसीआई वेबसाइट पर उपलब्ध) ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए एक विकेंद्रीकृत, मजबूत और पारदर्शी कानूनी ढांचा स्थापित किया है।

ईएसबी पुलिस कांस्टेबल भर्ती रिजल्ट जारी करने पर सहमति, शाम तक आने की उम्मीद

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कर्मचारी चयन मंडल ईएसबी के पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के रिजल्ट का इंतजार बुधवार यानी 12 मार्च को खत्म होने की पूरी संभावना है। यह रिजल्ट 87-13 फीसदी फॉर्मूले से जारी होगा। इस मामले में विधिक सलाह आने के बाद ईएसबी के चेयरमैन और अधिकारियों के साथ मंगलवार रात को ईएसबी ऑफिस में मीटिंग चलती रही। इसमें तय हो गया कि रिजल्ट जारी करना है। मंगलवार रात को जीएडी, ईएसबी, पीएचक्यू के बीच बैठक के बाद रिजल्ट पर सहमति हो गई है। इस मामले में जानकारी मिली है। इसके अनुसार बुधवार को रिजल्ट अप्रूव की फाइल चेयरमैन के पास जाएगी और वह इसमें मुहर लगाएंगे। रात को ही चेयरमैन ने इस संबंध में अधिकारियों को आदेश दे दिए हैं कि रिजल्ट की सारी तैयारी कर फाइल बुधवार को लेकर आइए। चेयरमैन की साइन होने के बाद रिजल्ट जारी करने और अपलोड करने में तीन-चार घंटे का समय और लगेगा। ऐसे में पूरी संभावना है कि बुधवार शाम तक या रात तक यह रिजल्ट ईएसबी की साइट पर अपलोड हो जाएगा। इसके पहले विधिक सलाह सही और सीधी नहीं होकर बल्कि घुमावदार आई थी। इसमें ईएसबी को 87-13 के पुराने फॉर्मूले से रिजल्ट देन से भी नहीं रोका गया । यह कहा गया है कि हाईकोर्ट के 29 जनवरी के फैसले और बाद के विधिक मामले सामने आने के बाद भी यह स्पष्ट नहीं है कि ओबीसी को 27 फीसदी दिया जाना है या नहीं। ऐसे में यदि बोर्ड पुराने फॉर्मूले से रिजल्ट देता है तो इसमें कोई रोक नहीं है।

सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2024-25 में प्रचलित भावों पर 15,03,395 करोड़ रूपये पहुंचा

2028-29 तक सकल घरेलू उत्पाद दोगुना करने का लक्ष्य: उप मुख्यमंत्री देवड़ा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2024-25 प्रचलित भावों पर रूपये 1503395 करोड़ पहुंच गया है, जो वर्ष 2023-24 में रूपये 1353809 करोड़ था। पिछले वित्तीय वर्ष से 11.05 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश ने वर्ष 2028-29 तक राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। मंगलवार को विधान सभा में प्रस्तुत मध्यप्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2024-25 के अनुसार मध्यप्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2024-25 में स्थिर भावों पर जीएसडीपी 712260 करोड़ रूपये है जो वर्ष 2023-24 में 671636 करोड़ रहा। यह 6.05 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि दिखाता है।

मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2024-25 प्रचलित भावों पर रूपये 152615 हो गई है। स्थिर भाव पर वर्ष 2024-25 में प्रति व्यक्ति आय रूपये 70434 है । मध्यप्रदेश के सकल मूल्य वर्धन में प्रचलित भावों पर वर्ष 2024-25 में क्षेत्रवार हिस्सेदारी क्रमशः प्राथमिक क्षेत्र में 44.36 प्रतिशत, द्वितीयक क्षेत्र में 19.03 प्रतिशत तथा तृतीयक क्षेत्र में 36.61 प्रतिशत रही है।

मध्यप्रदेश ने लोक वित्त में अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था बनाये रखने के लिये प्रभावी कदम उठाये गये है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजस्व अधिशेष रूपये 1700 करोड़ रहने का अनुमान है, जबकि राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के 4.11 प्रतिशत तक सीमित रहेगा। राजस्व प्राप्तियां रूपये 263344 करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार कृषि फसल क्षेत्र का प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत योगदान वर्ष 2024-25 में 30.90 प्रतिशत रहा लेकिन प्रचलित भाव पर यह 10.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि स्थिर भाव में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी तरह पशुधन क्षेत्र में 7.45 प्रतिशत का योगदान रहा । इसकी वृद्धि स्थिर भाव पर क्रमशः 11.93 प्रतिशत एवं 8.39 प्रतिशत रही।

विकसित भारत की कल्पना के अनुरूप विकसित मध्यप्रदेश के रूप में राज्य अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करेगा। प्रदेश की मजबूत बैंकिंग प्रणाली और वित्तीय समावेश की शक्ति से आर्थिक तंत्र निरंतर सशक्त हो रहा है। कृषि और कृषि प्र-संस्करण के माध्यम से आय के स्रोतों में वृद्धि हो रही है, जबकि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, बड़ी अधोसंरचनात्मक परियोजनाएं, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का विस्तार, और ऊर्जा उपलब्धता में बढ़ोतरी जैसे महत्वपूर्ण घटक एक आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में प्रदेश की प्रगति को दर्शाते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक और सामाजिक समावेश तथा महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देने से आर्थिक और सामाजिक उन्नति में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में गरीब कल्याण, युवा शक्ति, अन्नदाता, और नारी शक्ति जैसे चार प्रमुख मिशनों की शुरुआत की है। ये मिशन क्रमशः समाज के वंचित वर्गों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के समग्र विकास एवं आर्थिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने कार्यरत हैं। सरकार का संकल्प है कि राज्य की आर्थिक नीतियां समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास में सहायक हों और व्यापक आर्थिक समृद्धि सुनिश्चित करें। मध्यप्रदेश सरकार ने 'ईज़ ऑफ लिविंग' और 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' को बढ़ावा देने के लिए मानकों के सरलीकरण, जनविश्वास बिल, राजस्व महाभियान और पीएम जनमन कार्यक्रम जैसे प्रभावी उपायों को अपनाया है, जिससे सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। राज्य के प्राकृतिक संसाधनों की समृद्धि, टाइगर एवं चीता रिजर्व, धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरें, और पर्यटन स्थलों ने मध्यप्रदेश को पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

मध्यप्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2024-25 प्रदेश की आर्थिक प्रतिबद्धताओं, विकास योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह सर्वेक्षण राज्य की विकास यात्रा को प्रतिबिंबित करता है और यह दर्शाता है कि मध्यप्रदेश सतत और समावेशी आर्थिक विकास के मार्ग पर अग्रसर है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष'' घोषित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में द्वितीयक क्षेत्र में 2.73 लाख करोड़ रूपये के सकल मूल्य वर्धन तक पहुँच गया। राज्य में औद्योगिक क्षेत्र में बुनियादी ढॉचे के विकास कार्यो के लिये वर्ष 2024-25 में 145.13 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई तथा दिसम्बर 2024 तक 4.17 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये। राज्य में सामाजिक क्षेत्र के लिये महत्वपूर्ण बजटीय आवंटन किये गये है जिसमें पिछले चार वर्षो में 82.52 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सरकार ने समस्त बाल विकास को प्राथमिकता देते हुये राज्य के कुल बजट का 21.6 प्रतिशत बजट आवंटित किया है। पोषण भी पढाई भी स्व-सहायता समूह सामुदायिक संस्थागत विकास लखपति दीदी विकसित मध्यप्रदेश विजन 2047'' आदि इस दिशा में अग्रणी प्रयास है। स्वास्थ्य क्षेत्र मे राज्य का बजट वर्ष 2024-25 में 15744 करोड़ रूपये तक पहुँच गया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 4.85 करोड़ से अधिक कार्ड जारी किये गये है। वर्ष 2024-25 में शिक्षा का बजट 11.26 प्रतिशत आवंटित किया गया है। सी.एम.राईज स्कूल योजना के तहत 274 स्कूलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। व्यावसायिक शिक्षा में 14 ट्रेडस शुरू किये गये है। उच्च शिक्षा के अंतर्गत 1346 महाविद्यालय में 10.5 लाख सीट उपलब्ध है। कौशल विकास मिशन के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 3.49 लाख छात्रों को व्यावसयिक शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया है।

राज्य अधिसूचित वन क्षेत्र 94.69 हजार वर्ग किलोमीटर तथा वनावरण 77.07 हजार वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल के साथ अग्रणी स्थिति पर है। वर्ष 2024 में राज्य का भू-जल संसाधन 35.90 बी.सी.एम. पहुँच गया है। राज्य में वर्ष 2023-24 में खनिज उत्पादन मूल्य पिछले वर्ष की तुलना में 16.71 प्रतिशत अधिक रहा है। माइनिंग कान्क्लेव 2024 में रूपये 19250 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये है। राज्य सरकार ने वर्ष 2024-25 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को रूपये 472.28 करोड़ का बजट आवंटित किया है। राज्य में 10 आई.टी.पार्क एवं 4 आई.टी स्पेस विकसित किये गये है। राज्य में 4895 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप कार्यरत है।

बदहाली की शिक्षा

हरियाणा के सरकारी स्कूल जिस बदहाली से गुजर रहे हैं उसका निष्कर्ष यही है कि ये स्कूल बीमार भविष्य के कारखाने साबित हो सकते हैं। हरियाणा के प्राथमिक शिक्षा विभाग द्वारा हाल में किए गए युक्तीकरण के प्रयासों से राज्य में सार्वजनिक शिक्षा की निराशाजनक स्थिति ही उजागर हुई है। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि राज्य में 487 सरकारी प्राथमिक विद्यालय बिना किसी शिक्षक के संचालित किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर विडंबना यह है कि करीब 294 स्कूलों में कोई छात्र नामांकित नहीं है। निश्चय की छात्रों के मोहभंग के कारणों को समझना कठिन नहीं है। निश्चित रूप से यदि प्राथमिक शिक्षा की यह तस्वीर है तो माध्यमिक और उच्च शिक्षा की स्थिति और भी खराब हो सकती है। विडंबना यह भी है कि शिक्षा व्यवस्था को युक्तिसंगत बनाने की कवायद में शिक्षकों की बड़ी कमी के बावजूद पांच हजार से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त हो गए हैं। हालांकि, छात्र-शिक्षक अनुपात 28ः1 प्रबंधनीय लग सकता है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कहीं ज्यादा खराब है। लगभग 16,500 से अधिक टीजीटी और 11,341 पीजीटी शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। इतना ही नहीं राज्य के विश्वविद्यालय और कालेज भी शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। यहां तक कि सरकारी कॉलेजों में भी व्याख्याताओं के लगभग आधी पद खाली हैं। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि राज्य में योग्य बेरोजगारों की बड़ी संख्या के बावजूद ये पद खाली पड़े हैं। जो व्यवस्थागत खामियों की ओर ही इशारा करते हैं। विसंगति यह भी है कि बजटीय उपेक्षा ने समस्या को और बढ़ा दिया है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पिछले साल एक संबंधित मामले में एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आवंटित बजट का समय रहते उपयोग न कर पाने के कारण शिक्षा निधि में 10,675 करोड़ रुपये वापस लौटने का उल्लेख किया था। जो शिक्षा विभाग की उदासीनता की ही तस्वीर ही उकेरता है।

ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि एक ओर वित्तीय संसाधनों की कमी की बात कही जाती है और दूसरी ओर शिक्षा निधि में उपयोग न किए गए धन को लौटाने की बात सामने आ रही है। जाहिरा तौर पर यदि आवंटित धन का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं किया जा रहा है तो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का दावा निरर्थक ही साबित होगा। कमोवेश शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाये जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों के छात्रों का अंकगणितीय ज्ञान और साक्षरता का कौशल पंजाब व पड़ोसी राज्य हिमाचल से कमतर ही है। हाल में जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट यानी एएसईआर 2024 एक गंभीर स्थिति को ही उजागर करती है। वार्षिक स्थिति रिपोर्ट में उजागर हुआ है कि ग्रामीण स्कूलों में कक्षा आठवीं तक के केवल 43.1 प्रतिशत छात्र ही गणित में भाग की गणनाएं कर सकते हैं। जो कि वर्ष 2022 में 49.5 प्रतिशत से कम ही है। जबकि दूसरी ओर पंजाब के स्कूलों के छात्र 58 फीसदी के साथ सबसे आगे हैं। उसके बाद हिमाचल प्रदेश 44 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर पढ़ने का कौशल भी उतना ही चिंताजनक है। ऐसे में शिक्षा क्षेत्र गिरावट का ट्रेंड ही नजर आएगा। जाहिर है इससे छात्रों का ही नुकसान होगा। दरअसल, शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को संबोधित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सरकारी स्कूलों में समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों की ही अधिकता होती है। समाज के वंचित वर्ग के छात्र भी बड़ी संख्या में इन स्कूलों में दाखिले लेते हैं। उनकी पारिवारिक स्थिति कुछ ऐसी होती है कि अभिभावक की छात्रों के उन्नयन में आपेक्षित भूमिका नहीं हो पाती। ऐसे में शिक्षकों की जवाबदेही तय करने की जरूरत तो है ही, साथ ही शिक्षा विभाग को भी व्यवस्थागत विसंगतियों को दूर करने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। सरकार को भी शिक्षक-छात्र अनुपात को न्यायसंगत बनाने की दिशा में युद्ध स्तर पर प्रयास करने चाहिए। उन कारणों की भी पड़ताल हो जिनकी वजह से छात्रों का सरकारी स्कूलों में प्रदर्शन निराशाजनक बना हुआ है।

होली का उत्सव : उमंग, आनंद और सर्वाधिक प्रेम का त्योहार

डॉ. राघवेन्द्र शर्मा

सर्वाधिक उमंग, सर्वाधिक आनंद और सर्वाधिक प्रेम का त्यौहार होली उत्सव हमारे सामने है। इसे सर्वाधिक उमंग आनंद और प्रेम का त्यौहार इसलिए कहा गया है, क्योंकि वर्ष में पड़ने वाले प्रमुख त्योहारों की गिनती करें तो हम पाते हैं कि दीपावली भले ही त्योहार का सर्वोत्तम स्वरूप कहा जाता हो, लेकिन वह ऐश्वर्य वैभव और धन संपदा का त्यौहार बन गया है। रक्षाबंधन की बात करें तो इसे ज्ञान के अभाव में हमने स्वयं भाई और बहन तक सीमित कर दिया है। कहीं-कहीं ग्रामीण परिवेश में जरूर ससुराल से मायके आने वाली बेटियां अपने माता-पिता और उनके समकक्ष बुजुर्गों को अभी भी रक्षा सूत्र बांधती देखी जाती हैं। जबकि हमारे धार्मिक ग्रंथ बताते हैं कि रक्षाबंधन वह त्यौहार है जिसके माध्यम से एक आम व्यक्ति भी अपने से सबल व्यक्ति को रक्षा सूत्र बांधकर अपने लिए अभय दान मांग लिया करता था। वहीं रक्षा सूत्र ग्रहण करने वाला व्यक्ति बांधने वाले की रक्षा के लिए स्वस्फूर्त होकर जवाब देह हो जाया करता था। और भी अन्य ढेर सारे त्योहार सनातन धर्मावलंबियों के जीवन में कम महत्व नहीं रखते। लेकिन वर्ष भर में पढ़ने वाले तीन त्योहारों होली, दीपावली और रक्षाबंधन को प्रमुख श्रेणी में रखा जाता है। इनमें से होली एकमात्र ऐसा त्यौहार है जो किसी रिश्ते नाते की वांछना नहीं करता और ना ही परवाह। यह त्यौहार केवल इतना संकेत देता है कि यदि तुम्हारे द्वारा रंग गुलाल लगाने से किसी को असीम आनंद की अनुभूति होती है, तो फिर तुम्हें आगे बढ़कर इस कर्तव्य का पूरे आनंद के साथ निर्वहन कर देना चाहिए। विद्वान तो यहां तक कहते हैं कि होली एकमात्र ऐसा त्यौहार है जो शत्रुताओं को भुलाने, भेदभाव की गहरी खाइयों को पाटने और ऊंच नीच की दीवारों को गिरा देने की शक्ति अपने आप में समाए हुए है। इसे मनाते वक्त यह नहीं देखा जाता कि हम समूह में जिसे रंग अथवा गुलाल लगा रहे हैं, वह हमारा शत्रु है या मित्र। यदि इस त्यौहार को नियमों कायदों की दृष्टि से देखें तो ऐसी किसी भी विशेष मर्यादा में इसे नहीं बांधा गया है। यदि कोई नियम कायदों की बात करे तो इसका केवल एक ही नियम है और एक ही कायदा है। वह यह कि इस रंग-बिरंगे त्यौहार में यदि किसी के नीरस और बेरंग जीवन में आनंद का रस घोलने, उमंगों के रंग दमकाने का अवसर तुम्हारे हाथ आ गया है तो उससे चूको मत। अपना सर्वस्व न्योछावर करके वह सब कर गुजरो जिसकी अपेक्षा हमसे मानवीयता करती है। पश्चिमी सभ्यता से प्रभावित कुछ स्वयंभू विद्वानों ने लंबे अर्से से होली को हुड़दंग और पानी की बर्बादी करने का त्यौहार प्रतिपादित करने का बीड़ा उठा रखा है। जिस प्रकार इन्हें दीपावली के पावन अवसर पर पर्यावरण और प्रदूषण के दौरे पड़ने लगते हैं, वैसे ही होली के आते ही अचानक इन लोगों को केवल एक दिन में ही

दुनियाभर का सारा पानी बचाने की चिंता सताने लगती है। खेद की बात यह है कि जो सामाजिक पुरोधा वर्ग है, वह भी ऐसी सनातन विरोधी कुचालों का तीव्र प्रतिरोध नहीं करता। इसका कारण भी स्पष्ट है। वह यह कि होली एकमात्र ऐसा त्यौहार है जिसमें धन संपदा और महंगे संसाधनों की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस त्यौहार को मनाने के लिए चुटकी भर रंग गुलाल के साथ प्रेम प्यार से परिपूर्ण हृदय ही आवश्यक संसाधन माने गए। जाहिर है यह त्यौहार बाजारवाद की अपेक्षाओं पर खरा साबित नहीं होता। जैसे-दिवाली पर लोग कपड़े गहने वाहन, संपत्ति, ऐश्वर्य और विलासिता की अत्यंत महंगी खरीदी करते हैं। रक्षाबंधन पर भी बहन बेटियों को उपहार देने के लिए खरीदारी तो होती ही है। लेकिन होली में ऐसा नहीं है। आपके पास जैसे भी कपड़े उपलब्ध हैं, कोई चिंता की बात नहीं। पैरों में जूते-चप्पल है तो ठीक और नहीं भी हैं तो कोई आवश्यकता नहीं। बस चुटकी भर रंग गुलाल लिया और मन गया होली का त्यौहार। हालांकि बहुत सुनियोजित तरीके से इस त्यौहार को भी महंगा और दिखावटी बनाने के प्रयास हुए हैं। जैसा कि फिल्मों में दिखाया जाता है। अभिनेता अभिनेत्री और उनके सहयोगी कलाकार झकाझक सफेद कपड़ो में दमकते हुए कैमरे के सामने आते हैं और फिर यह साबित करने में लग जाते हैं कि होली का असली मजा तो नए चमचमाते सफेद कपड़े पहन कर ही आता है। हालांकि बेहद सीमित धनाढ्य वर्ग इस दिखावे की चपेट में आंशिक रूप से आ भी गया है। जिन्हें ईश्वर ने सर्व साधन संपन्न बनाया है, वह लोग होली जैसे रंग-बिरंगे त्यौहार के दिन भी झकाझक सफेद कपड़े पहनकर अपने चाहने वालों से मिलने निकलते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से इस बात के लिए प्रेरणा के स्रोत बनते हैं कि अन्य लोगों को भी इस ऐश्वर्य वैभव पूर्ण होली का अनुसरण करना चाहिए।

खुशी की बात है कि व्यापक हिंदू समाज में अभी भी जो उपलब्ध है, जैसा उपलब्ध है, उसी में होली मनाने की परंपरा विद्यमान बनी हुई है। शुरुआत में इस त्यौहार के दौरान भांग की ठंडाई जैसे हल्के-फुल्के पेय पदार्थों के सेवन का चलन बना रहा। लेकिन इसे अनेक कुरूपताओं की जड़ बताकर होली में इसके स्थान पर देसी और अंग्रेजी शराब को घुसेड़ने के अथक प्रयास जोर-शोर से चले, जो काफी हद तक सफल साबित हुए हैं। फल स्वरुप पहले की अपेक्षा होली कुछ-कुछ बदरंग भी हुई है। इस विद्रूप नशे के चलते होली के दौरान अपवाद स्वरूप अपराध घटित होने के दुखद समाचार मिलने लगे हैं। मेल मिलाप के इस त्यौहार को कलंकित करने का अधिकतम श्रेय केवल और केवल शराब के नशे को ही जाता है। वर्ना भांग का नशा तो हिंदू धर्मावलंबी शिवरात्रि पर भी करते हैं। लेकिन इतिहास और वर्तमान समय गवाह है, शिवरात्रि के पावन त्यौहार पर भांग खाने या पीने के चलते कहीं से भी शांति भंग होने के समाचार ना कभी प्राप्त हुए और ना ही आज हो रहे हैं। हम यहां भांग या फिर अन्य किसी भी प्रकार के नशे की हिमायत नहीं कर रहे। केवल बताना चाहते हैं कि अन्य त्योहारों की तरह इस त्यौहार में भी बाजारवाद बरसों से घुसने की फिराक में है, लेकिन वह सफल नहीं हो पा रहा। और यदि सफल हुआ है तो केवल शराब के नशे के रूप में, जिस पर जल्दी से जल्दी अधिकतम नियंत्रण की अत्यावश्यकता है।

यदि हमारे धर्म शास्त्रों का अध्ययन किया जाए तब भी बात यही निकाल कर सामने आती है कि होली का त्योहार प्रेम और भक्ति का ही महापर्व है। क्योंकि यह उन भक्त प्रहलाद के सुरक्षित होने पर मनाया गया जो बाल्य काल में ही ईश्वर के परम भक्त हो गए थे। वे ईश्ववर भक्ति से विमुख हो चुके अपने पिता को प्रेम और भक्ति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते रहे। यह और बात है कि बदले में उनका अनिष्ट करने की अनेक चेष्टाएं हुईं। उन्हीं में से एक प्रयास उन्हें अग्नि में जलाए जाने का किया गया। किंतु ईश्वर कृपा से भक्त प्रहलाद का बाल भी बांका ना हुआ। बल्कि वह होलिका जलकर भस्म हो गई जिसने रिश्तो की पवित्रता को कलंकित करते हुए भक्त प्रहलाद को मृत्यु के हवाले करने का षड्यंत्र रचा था। तभी से हिंदू समाज होलिका को प्रतीकात्मक रूप से जलाता चला आ रहा है। जबकि बालक प्रहलाद के उस भयावह अग्निकांड से बच जाने पर अभी तक रंग गुलाल उड़ाकर खुशियां मनाई जा रही हैं। पूर्व में यह त्यौहार पूर्णिमा से लेकर रंग पंचमी तक 6 दिन का मनाया जाता रहा है। बल्कि यह लिखना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि कुछ दशक पहले तक होली का त्यौहार पूरे फाल्गुन महीने भर मनाया जाता था। इस महीने में कोई भी मेहमान घर में आ जाता या फिर हम मेहमानी करने अपने किसी रिश्तेदार नातेदार के यहां पहुंच जाते तो फिर रंगों में सरोवर हुए बगैर उन घरों से बाहर निकलना असंभव ही माना जाता रहा है। बल्कि फाल्गुन के महीने में लोग रिश्तेदारी में यह मन बनकर ही जाते थे कि वहां उन्हें रंग-बिरंगा होना ही है। यहां तक कि फागुन के महीने में कहीं शादी हुआ करती थी तो वर और वधु, दोनों पक्ष के लोग पूरे उत्साह के साथ कीमती कपड़ों की चिंता किए बगैर रंगों से तरबतर होली खेला करते थे और किसी भी कोने से नाम मात्र का एतराज खड़ा नहीं होता था। लेकिन कालांतर में लोग कीमती कपड़ों का हवाला देने लगे। रंग-बिरंगे लोगों के बीच साफ सुथरे और झकाझक कपड़ों में इठला के चलना स्टेटस सिंबल बनता चला गया। नतीजा यह निकला कि अब होली केवल धुलेंडी और रंग पंचमी के आसपास सिमट कर रह गई है। इन दो दिनों में से भी धूलेंडी अर्थात प्रतिपदा के दिन अब अधिकांश स्थानों पर सूखी होली खेली जाती है। बस रंग पंचमी भर एकमात्र ऐसा दिन रह गया है जब लोग पानी में घोलकर रंग एक दूसरे पर डाल पाते हैं। यह दौर भी आधे दिन तक चलता है। इसके बाद लोग नहा धोकर एक प्रकार से इस त्योहार से फारिग हो जाते हैं। भला हो पुरानी परंपराओं को मानने वालों का, जिन्होंने अभी तक द्वितीया के दिन बहन बेटियों को अपने घर आमंत्रित करने या फिर उनके यहां जाकर तिलक करने और होली खेलने का क्रम बनाए रखा है।

अंत में आप सभी को रंगों के त्यौहार होली का महापर्व की ढेर सारी शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि हम सब प्रेम, सम्मान और मर्यादाओं के रंगों से तरबतर होली खेलने के लिए प्रेरित हों। रंग और गुलाल डालने से पूर्व सामने वाले की भावनाओं का सम्मान बनाए रखें। यदि हृदय में सनातन धर्म और हिंदू त्योहारों को कलंक से बचाए रखने की थोड़ी सी भी जिजीविषा मन में शेष हो तो कम से कम इन त्योहारों के दिन हर प्रकार के नशे से निर्णायक दूरी अवश्य बनाए रखें। एक बार फिर सभी देशवासियों को रंगों के त्यौहार की अनंत शुभकामनाएं।

भोपाल में भाजपा के सेनानी रहे, सहज, सरल और सबके प्रिय 'मम्मा' नहीं रहे

कौशल किशोर चतुर्वेदी

भोपाल में भाजपा को स्थापित करने वाले गिने-चुने सेनानियों में एक नाम सुरेंद्र नाथ सिंह का था। जब पार्टी कांग्रेस से संघर्ष कर रही थी और कार्यकर्ता मुट्ठी भर भी नहीं थे, तब सुरेंद्र नाथ सिंह जैसे नेताओं ने संघर्ष कर पार्टी की ठोस जमीन तैयार की। और देखते ही देखते इन सेनानियों की मेहनत रंग लाई और समय ने करवट बदलकर मध्यप्रदेश में कमल खिला दिया। शिवराज सिंह चौहान, सुरेंद्र नाथ सिंह, अशोक पांडेय, आलोक शर्मा, आलोक संजर, भगवानदास सबनानी और विकास विरानी संघर्ष के उन्हीं दिनों के साथी थे। अशोक पांडेय के बाद अब सुरेंद्र नाथ सिंह भी दुनिया से विदा हो गए। सुरेंद्र नाथ सिंह को प्यार से सभी 'मम्मा' कहकर पुकारते थे। और 'मम्मा' की बैठक से समता चौक आबाद रहता था। मम्मा की सहजता, सरलता ऐसी थी कि वह सड़क चलते समस्याओं का समाधान कर देते थे। और समता की बैठक में तो सभी के काम बड़े आराम से हो जाते थे। इसी सहजता और सरलता से 'मम्मा' सबके प्रिय थे।

ऐसे भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक सुरेंद्र नाथ सिंह (मम्मा) ने 11 मार्च 2025 की सुबह करीब 4 बजे अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार थे। 62 वर्षीय सुरेंद्र नाथ सिंह भोपाल की मध्य विधानसभा सीट से विधायक भी रहे हैं। वो भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के अध्यक्ष भी रहे हैं। वह भाजपा जिलाध्यक्ष भी रहे। और अनगिनत भाजपा कार्यकर्ता तैयार करते रहे।हालांकि सुरेंद्रनाथ सिंह भाजपा की सक्रिय राजनीति से काफी समय से दूर थे। बावजूद इसके पार्टी से लेकर आम लोगों तक उनकी एक अलग ही पहचान थी। उन्होंने भोपाल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पद पर रहते हुए भोपाल के विकास व जनकल्याण के लिए कई कार्य किए। वहीं, विधायक रहते हुए वो अपने विधानसभा क्षेत्र में कभी भी कुछ न कुछ कार्य करते नजर आते थे। कभी वो नाली की सफाई करने खुद ही उसमें कूद पड़ते तो कभी सड़क झाड़ने के लिए खुद झाड़ू उठा लेते। उनके इसी अंदाज से वो क्षेत्र के हर वर्ग-समुदाय के बीच विशेष स्थान रखते थे। और उनका यह स्थान अब हमेशा के

लिए रिक्त हो गया है। हालांकि संघर्ष का यह योद्धा लोगों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेगा।

में रिलीज हुई फिल्म अलग-अलग का एक गीत दिल को छूने वाला है। इसे लता मंगेशकर ने आवाज दी थी और संगीतकार आर.डी. बर्मन थे। आइए इस गीत के जरिए जीवन की सच्चाई को जीते हैं.. दूर, बहुत दूर, बहुत दूर

आसमान पर रहता है एक जादूगर
क्या-क्या खेल दिखाता है
कभी हमें हँसाता है, कभी हमें रुलाता है
इस जीवन की यही है कहानी
ओ, इस जीवन की यही है कहानी
इस जीवन की यही है कहानी
आनी-जानी ये दुनिया, बहते दरिया का पानी
इस जीवन की यही है कहानी
इस जीवन की यही है कहानी
आनी-जानी ये दुनिया, हो, बहते दरिया का पानी
फूल खिले, खिलकर मुरझाए
दीप जले, जलकर बुझ जाए
इस बगिया की रीत यही है
इक रुत आए, इक रुत जाए
कैसे बदले रीत पुरानी? कैसे बदले रीत पुरानी?
आनी-जानी ये दुनिया, बहते दरिया का पानी
इस जीवन की यही है कहानी
आनी-जानी ये दुनिया, बहते दरिया का पानी
जिस्म की मौत से फिर क्या डरना
इस मिट्टी का ग़म क्या करना
दुनिया में सब को ना जाने
कितनी बार है जीना-मरना
मौत के बाद है फिर ज़िंदगानी मौत के बाद है फिर ज़िंदगानी
आनी-जानी ये दुनिया, बहते
दरिया का पानी
ओ, बहते दरिया का पानी

लंबा जीवन और बहरेपन का संकट

राकेश दुबे

अब इस अक्सर होने वाली आशंकाके परिणाम भी समाने आने लगे है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। अब हाल में हुए अध्ययन ने इसकी पुष्टि की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को चेताया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें।

डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं।

पहले कम सुनने की समस्या दिखायी देती है और कालांतर समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक आसन्न गंभीर संकट को ही दर्शाता है।

सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां-बाप की नसीहत पर ध्यान कम ही देती है। ऐसे में स्कूल-कालेजों में शिक्षकों व सामाजिक अभियानों से जुड़े लोगों को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को जागरूक करने के लिये मुहिम चलाने का कुछ लाभ जरूर मिल सकता है। प्रयास किया जाए कि न टाले जा सकने वाले कार्यक्रमों को कम आवाज के साथ सुना जाए। लेकिन विडंबना यह है कि हरदम कानों पर मोबाइल व ईयरफोन तथा बड्स आदि लगाना स्टेटस सिंबल बन गया। व्यक्ति खुद व्यस्त होने का दिखावा करता रहता है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में आए बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील देकर बच्चे भी मोबाइल-लेपटॉप आदि से चिपके रहने का बहाना ढूंढ ही लेते हैं। तेज आवाज का संगीत व कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय-समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए। वैसे भी महानगरों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके खतरों को लेकर समाज में जागरूकता के प्रचार-प्रसार की सख्त जरूरत होती है। बच्चों को लेकर अभिभावकों व शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनके लंबे जीवन पर बहरेपन का संकट मंडराने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है।

होली पर सच्चाई के रंग भरे और सब एक हो जाएं

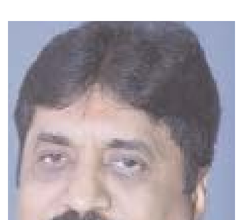

ललित गर्ग

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसका धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं की रोशनी में होली के त्योहार का विराट् समायोजन बदलते परिवेश में विविधताओं का संगम बन गया है, दुनिया को जोड़ने का माध्यम बन गया है। हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहाँ पर मनाये जाने वाले सभी त्यौहार समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। वस्तुतः होली आनंदोल्लास का पर्व है। होली प्रेम, आपसी सद्भाव और मस्ती के रंगों में सराबोर हो जाने का अनूठा त्यौहार है। यद्यपि आज के समय की गहमागहमी, मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़ से होली की परम्परा धुंधली हो रही है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी को प्रभावित भी किया है, फिर भी जिन्दगी जब मस्ती एवं खुशी को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तक प्रकृति हमें होली जैसा रंगारंग त्योहार देती है। होली ही एक ऐसा त्योहार है, जिसके लिये मन ही नहीं, माहौल भी तत्पर रहता है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक सचेतन माहौल बनाएं, जहां हम सब एक हो और मन की गन्दी परतों को उतार फेंके ताकि अविभक्त मन के आईने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए।

एक तरह से देखा जाए तो यह उत्सव प्रसन्नता को मिल-बांटने का एक अपूर्व अवसर होता है। होली की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसको मनाते हुए हम समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। इस त्योहार को मनाने के पीछे की भावना है मानवीय गरिमा को समृद्धि प्रदान करना, जीवनमूल्यों की पहचान को नया आयाम प्रदत्त करना। हम कितने भोले हैं कि अपनी संस्कृति एवं आदर्श परम्पराओं को हमीं मिटा रहे हैं। स्वयं अपना घर जला कर स्वयं तमाशा बन रहे हैं। आखिर हमीं तो वे लोग हैं जिन्होंने देश की पवित्र जमीं के नीचे हिंसा, अन्याय, शोषण, आतंक, असुरक्षा, अपहरण, भ्रष्टाचार, अराजकता, अत्याचार जैसे घिनौने तत्वों की गहरी और लम्बी सुरंगें बिछाकर उन पर अपने स्वार्थों का बारूद फैला दिया बिना कोई परिणाम सोचे, बिना भविष्य की संभावनाओं को देखे। इन अंधेरों एवं जटिल हालातों के बीच होली जैसे त्योहार हमारी रोशनी की इंजतार एवं उजालों की कामना को पूरा करने के लिये हमें तत्पर करते हैं।

होली के साथ यदि पवित्रता की विरासत का जुड़ाव होता है तो इस पर्व की महत्ता शतगुणित हो जाती है। प्रश्न है कि प्रसन्नता का यह आलम जो होली के दिनों में जुनून बन जाता है, कितना स्थायी है? डफली की धुन एवं डांडिया रास की झंकार में मदमस्त मानसिकता ने होली जैसे त्योहार की उपादेयता को मात्र इसी दायरे तक सीमित कर दिया, जिसे तात्कालिक खुशी कह सकते हैं, जबकि अपेक्षा है कि रंगों की इस परम्परा को दीर्घजीविता प्रदान की जाए। स्नेह और सम्मान का, प्यार और मुहब्बत का, मैत्री और समरसता का ऐसा शमां बांधना चाहिए कि जिसकी बिसात पर मानव कुछ नया भी करने को प्रेरित हो सके। होली का त्योहार 'असत्य पर सत्य की विजय' और 'दुराचार पर सदाचार की विजय' का प्रतीक है। इस प्रकार होली का पर्व सत्य, न्याय, भक्ति और विश्वास की विजय तथा अन्याय, पाप तथा राक्षसी वृत्तियों के विनाश का भी प्रतीक है। फाल्गुन मास और होली की परम्पराएँ श्रीकृष्ण की लीलाओं से सम्बद्ध हैं और भक्त हृदय में विशेष महत्व रखती हैं। श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर होकर होली का रंगभरा और रंगीनीभरा त्यौहार मनाना एक विलक्षण अनुभव है। होली जैसे त्यौहार में जब अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, ब्राह्मण-शूद्र आदि सब का भेद मिट जाता है, तब ऐसी भावना करनी चाहिए कि होली की अग्नि में हमारी समस्त पीड़ाएँ, दुःख, चिंताएँ, द्वेष-भाव आदि जल जाएँ तथा जीवन में प्रसन्नता, हर्षोल्लास तथा आनंद का रंग बिखर जाए। होली का कोई-न-कोई संकल्प हो और यह संकल्प हो सकता है कि हम स्वयं शांतिपूर्ण जीवन जीये और सभी के लिय बदलती युग-सोच एवं जीवनशैली से होली त्यौहार के रंग भले ही फीके पड़े हैं या मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़, स्वार्थ एवं संकीर्णता से होली की परम्परा में धुंधलका आया है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक उन्नत आत्म उन्नयन एवं सौहार्द का माहौल बनाएं, जहां हमारी संस्कृति एवं जीवन के रंग खिलखिलाते हुए देश ही नहीं, दुनिया में अहिंसा, प्रेम, भाई-चारे, साम्प्रदायिक सौहार्द के रंग बिखेरे। पर्यावरण के प्रति उपेक्षा एवं प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए।

होली रंगों का निराला एवं अनूठा पर्व है और हमारा जीवन ढेर सारे रंगों का एक पिटारा है। यहां हर रंग जुदा है तो दूसरों से मिला हुआ भी। एक रंग, दूसरे से मिलकर तेजी से नया ही रंग-रूप धर लेता है। किसी एक पर अटके रहकर काम चल ही नहीं सकता। यही जीवन लीला है। पर क्या दूसरों के रंगों को अपने में समा लेना आसान होता है? रंगों को कोई तो कैनवस चाहिए ही ना! संकल्प हो तो कितने रंग खिल सकते हैं? सच यह है कि ना ही दूसरों को अपना बनाना आसान है और ना ही दूसरों का होकर रह पाना। जीवन को हर रंग में जीने और स्वीकारने की कला सबको नहीं आती। उसके लिए जरूरत होती है, एक मस्तमौला नजरिए की। समुद्र से मिलने को तत्पर, मीलों बहती रहने वाली नदी की ऊर्जा का। ऊर्जा और आनंद के इसी मेल का प्रतीक है होली का त्यौहार, जो लगातार बदलते रहने के बावजूद बना रहता है, ध्रुव है, सत्य है। जितने रंग प्रकृति के हैं, उतने ही हमारे हैं और प्रकृति हर पल रंग बदलती है। पुरानी पत्तियां शाख छोड़ती नहीं हैं कि नई खिलनी शुरू हो जाती हैं। पतझड़ और बसंत साथ ही चलते रहते हैं। धरती के भीतर के घुप अंधेरों को चीर कर बाहर निकला बीज, फूल, शाख, पत्तियां और फल के रंग धर लेता है। उगने, डूबने, खिलने, फैलने, मिलने, सूखने, झड़ने, चढ़ने, उतरने और खत्म होने का हर रंग प्रकृति में है और है होली के मनभावन पर्व में। पर प्रकृति हो या होली इनसे उदासीन हम, कुछ ही रंगों में सिमट जाते हैं। गिले-शिकवों, उदासी, तेरे-मेरे, क्रोध और कुंठा में ही अटक जाते हैं। नतीजा, जिंदगी में तनाव और उदासी घिरने लगती है।

हम भी भविष्य की अनगिनत संभावनाओं को साथ लिए आओ फिर से जीवन में सच्चाई का रंग भरने का प्राणवान संकल्प करें। होली के लिए माहौल भी चाहिए और मन भी चाहिए, ऐसा मन जहाँ हम सब एक हों और मन की गंदी परतों को उखाड़ फेकें ताकि अविभक्त मन के आइने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। कलाकार एमी ग्रेंट के अनुसार, 'काला रंग गहराई देता है। इसे मिलाए बिना किसी वास्तविकता को रचा नहीं जा सकता।' जीवन में सुख-दुख दोनों हैं। दोनों एक-दूसरे में बदलते रहते हैं। हमें सुख अच्छा लगता है और दुख में हम घबरा उठते हैं। सारी कोशिशें ही दुखों से बचने की होती हैं। होली का अवसर भी सारे दुःखों को भूलकर स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का अवसर है, राग-रंग से परे होकर स्वयं को रंगना एवं दूसरों को रंग लगाना ही होली है, होली न सिर्फ बाहर से बल्कि भीतर से रंग जाने, आध्यात्मिक एवं पवित्र हो जाने की सीख है, होली दिलों से जुड़ी भावनाओं का पर्व है। यह मन और मस्तिष्क को परिष्कृत करने का अनुष्ठान है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि। नं। भोपाल डिवी. 48 म.प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail—com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakashÐin

हटा पन्ना रोड पर हुई वाहनों की चेंकिग 34 हजार रुपये की की गई चालानी कार्यवाही

दमोह। जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गये निर्देशों के तहत जिले में परिवहन विभाग एवं यातायात विभाग लगातार कार्यवाही कर रहा हैं। इसी क्रम में हटा पन्ना रोड पर परिवहन अधिकारी द्वारा वाहनों की चैंकिग की गई। इस दौरान 34 हजार रूपये की चालानी कार्यवाही की गई। यातायात प्रभारी दलबीर सिंह मार्को ने बताया ड्रिंक एंड ड्राइव के तहत एक ट्रक और मोटरसाइकिल जप्त की गई हैं।

एसडीएम ने व्यापारियों और मंडी अमले की ली बैठाक, प्राइवेट धर्मकांटा किया बंद

सिरोंज। मंगलवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने अपने कक्ष में व्यापारियों के साथ मंडी प्रशासन की बैठक लेते हुए कहा की मंडी के अधिकारी, कर्मचारी व्यवस्थाओं को ठीक तरह से लागू करने के लिए काम व्यापारीगण और किसानों को किसी किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए इस बात की चिंता करें। दशहरा मैदान पर गेहूं की नीलामी प्रारंभ हो गई, सब्जी मंडी को नवीन सब्जी मंडी में शिफ्ट कर रहे हैं। जाम की समस्या का समाधान करने के लिए एसडीएम ने प्राइवेट धर्मकांटे पर तुलाई का काम पूरी तरह से बंद करवा दिया इसके परिणाम स्वरुप मंडी बाईपास रोड पर जाम भी नहीं लगा ठेकेदार ने सड़क के दोनों तरफ से मिट्टी हटवाने का काम भी शुरू करवा दिया है। थौक अनाज तिलहन व्यापार संघ अध्यक्ष समीर भार्गव ने कहा कि अच्छी व्यवस्था होगी तो हमें भी कोई परेशानी नहीं होगी मंडी में आने वाले किसानों को सुविधा मिलेगी तो इसका फायदा मंडी को भी मिलेगा ज्यादा किसान अपनी उपज लेकर आएंगे।

25 साल बाद मंडी को वापस मिला मंगल वेयरहाउस

सिरोंज। कृषि उपज मंडी से 25 साल पहले निज व्यक्ति ने मंगल वेयरहाउस को किराए से लिया था इसके बाद अनुबंध को रेनू भी नहीं करवाया ना ही किराया दिया जा रहा था। इसकी जानकारी एसडीएम हर्षल चौधरी चौधरी को लगी तो उन्होंने संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी करके वेयरहाउस के संबंध में दस्तावेज मांगे तो गड़बड़ी उजागर होने पर खाली करने के लिए निर्देश दे गए। एसडीएम के कदम के बाद मंडी प्रशासन उक्त वेयरहाउस वापस मिल पाया है ।अब इसका उपयोग जनहित के कार्यों के लिए प्रशासन करेगा वैसे इस काम को मंडी बहुत पहले कर लेना चाहिए था जो अभी हुआ यह काम एक-दो साल बीत जाने के बाद किराया जमा नहीं करने वाले व्यक्ति से इसको खाली करवाना था इतने सालों तक मंडी की जगह का दुरुपयोग नहीं होता।

अस्पताल के सफाईकर्मियों ने मांगें पूरी नहीं होने पर हड़ताल शुरू की

सिरोंज। वेतन पीएफ की मांगों को लेकर आउटसोर्सिंग से काम करने वाले सफाई कर्मियों ने मांगे पूरी नहीं होने पर सरकारी अस्पताल तक अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारंभ कर दी है। इसके चलते अस्पताल की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई अस्पताल में आने वाली मरीजों को भी गंदगी से दो चार होना पड़ा लंबे समय से सफाई कर्मी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। हर बार आश्वासन देकर इनकी हड़ताल खत्म कर दी जाती है। लेकिन इस बार उनका कहना है कि जब तक हमारी मांगे पूर्ण नहीं होगी हम अपनी हड़ताल खत्म नहीं करेंगे। ऐसा होने पर अस्पताल प्रबंधन को मुश्किलों का सामना भी करना पड़ सकता है सफाई नहीं होने पर हालत बिगड़ जाएं।अस्पताल प्रबंधन को इनकी मांगों का समाधान करके इस और कदम बढ़ाने चाहिए।

शांति व्यवस्था के लिए पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

ओबैदुल्लागंज (संवाददाता)। होली त्योहार के मध्नजर नगर औबेदुल्लागंज में मंगलवार शाम को पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला थाना प्रभारी भरत प्रताप सिंह के नेतृत्व में निकले गए फ्लैग मार्च में पुलिस के जवान शामिल थे फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू होकर नगर परिषद के सामने, सीताराम चौराहा, राम मंदिर से होते हुए मुख्य चौराहा, नर्मदा पुरम रोड से अर्जुन नगर से होते हुए थाना परिसर में समाप्त हुआ फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आगामी त्यौहार होलिका दहन रंग पंचमी, रमजान ईद उल फितर, चेत्र नवरात्रि इत्यादि त्योहारों के दौरान शहर में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना तथा गुंडों, बदमाशों आसामाजिक तत्वों में भय का माहौल उत्पन्न करना था ताकि आमजन सुरक्षित महसूस करते हुए हर्षोल्लास के साथ त्योहार को मना सके।

हाईवे पर फास्टैग वेंडरों का कब्जा बन रहा दुर्घटना का कारण

औबेदुल्लागंज संवाददाता । ओबेदुल्लागंज के समीप हाईवे स्थित बिशनखेड़ा टोल प्लाजा के दोनों ओर फास्टैग वेंडरों की भरमार देखने को मिलती है। ये फ़ास्टैग विक्रेता अपना बोर्ड हाईवे पर लगभग 15 फिट आगे तक रखते हैं और इनके प्रतिनिधि हाथों से इशारा कर के आने जाने वाली गाड़ियों को रोकने का प्रयास करते हैं। जिस के परिणामस्वरूप एक तो सड़क की चौड़ाई पर कब्जा हो जाता है और दूसरे वाहन चालकों को भी इन्हें बचाते हुए चलना पड़ता है। ये कथित वेंडर स्वयं को ह्म्र्ह्व द्वारा अधिकृत बताते हैं जिनकी सत्यता की पुष्टि हेतु कोई भी प्रावधान या नियमन दिखाई नहीं देता। ये वेंडर फास्टैग रिचार्ज और नए लगाने हेतु हाईवे पर ही गाड़ियां रोक कर जाम की स्थिति निर्मित कर देते हैं जो पूर्णतः असंवैधानिक और परिवहन नियमों का हनन है। स्थानीय प्रशासन का रवैया भी इस मामले में उदासीन रहता है। वे इस अव्यवस्था को एनएचआई का मामला बताकर किनारा कर लेते हैं। पुलिस प्रशासन भी केवल वीआईपी मूवमेंट के समय ही हाईवे पर नजर आता है, इस ओर ध्यान नहीं दे पाता।

रॉन्ग साइड चलने वाले भी बड़ी समस्या

इसी के साथ एक बड़ी समस्या यह भी है कि राजमार्ग पर सुलभ कट प्वाइंट ना होने से बड़ी संख्या में आस पास के गांव से आने जाने वाले नागरिक रॉन्ग साइड से चलना पसंद करते हैं जिस से इन फास्टैग वेंडरों के बीच सड़क बैठने पर दुर्घटनाओं की संभावना प्रबल हो जाती है। इस पर भी अंकुश लगना ही चाहिए।

आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में एक बड़ा कारण ये फास्टैग वेंडर हैं जो अनाधिकृत रूप से राजमार्ग पर कब्जा जमाए बैठे है। प्रशासन को चाहिए कि इस ओर ध्यान दे कर इन की सीमाएं निर्धारित करें और नियोजित स्थान पर इन्हें बिक्री की अनुमति दें जिस से आम जनता को होने वाली परेशानी और संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

ईको क्लब ने किया जटाशंकर किले और प्राकृतिक स्थल का भ्रमण

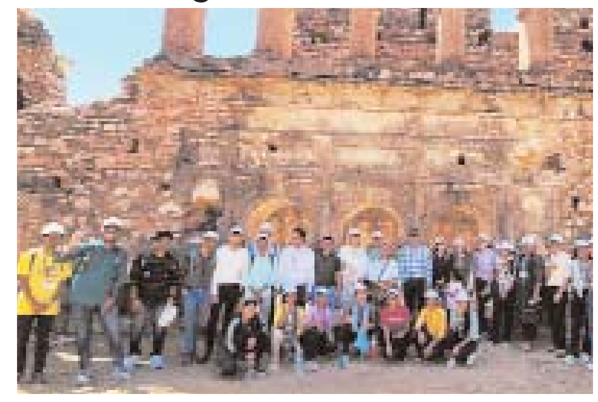

दमोह। स्थानीय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस ज्ञानचंद्र श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ईको क्लब ने प्रभारी प्राचार्य डॉ पी के जैन के मार्गदर्शन एवं डॉ मीरा माधुरी महंत के दिशा निर्देश पर बटियागढ़ तहसील के ग्राम भिलौनी अंतर्गत जटाशंकर किले और निकट के प्राकृतिक स्थल का भ्रमण किया।

किले के बारे में बताया जाता है कि शाहगढ़ के राजा द्वारा इसे बनवाया गया,जिसकी बनावट, मुख्य द्वार, दीवारों की पेंटिंग्स, बुर्ज और बावड़ी देखने योग्य है इस किले के निकट प्राचीन नाला और चट्टानों के मध्य से वर्ष भर बहते पानी को भी छात्रों ने देखा। किले से कुछ ही दूरी पर लोगों की आस्था का केंद्र झारखंडी मंदिर है जहां वर्ष भर श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है। उक्त भ्रमण में एनपी कुमार, डॉ. केएस बामनिया, डॉ. जितेंद्र चौधरी, डॉ. ऋषिभा दीक्षित, धीरज जॉनसन एवं 45 छात्र - छात्राओं की सहभागिता और उपस्थिति रही।

सदन में विधेयक पर बोले सांसद

वर्षों की गुलामी को दूर करने का मोदी ने किया सार्थक प्रयास : सांसद दर्शन सिंह

सांध्य प्रकाश. इटारसी। लोकसभा सदन नई दिल्ली में बिल ऑफ लैडिंग विधेयक, 2024 पारित किया गया। जिसके समर्थन में नर्मदापुरम नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने अपना बात रखते हुए कहा कि बिल ऑफ लैडिंग विधेयक का उद्देश्य औपनिवेशिक युग के 1856 के अधिनियम की जगह शिपिंग दस्तावेजों के लिए कानूनी ढांचे को अद्यतन और सरल बनाना है। यह विधेयक हमारे देश की व्यापारिक प्रणाली में एक महत्वपूर्ण सुधार लाने जा रहा है।

अब तक हम जिस भारतीय लदान बिल के आधार पर कार्य कर रहे थे वह 1856 में बना था। जो आधुनिक व्यापार की आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ था। लदान बिल से संबंधित कानून में संशोधन कर अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुकूल एवं अद्यतन पारदर्शी ढांचा प्रदान करते हैं। कानून में संशोधन अधिनियमित किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने सदन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अभी जो हमारे विपक्षी साथी बिल का विरोध कर रहे थे। उनसे कहना चाहूंगा हाफ नॉलेज इस ऑलवेज डेंजरस हमारे गांव में कहावत चलती है, अधजल गगरी छलकत जाए। मैं मोदी जी का धन्यवाद इस रूप में भी करना चाहता हूं। कि जिन्होंने अंग्रेजों के जमाने में बने इस कानून में संशोधन करके वर्षों की गुलामी को दूर करने का सार्थक प्रयास किया है।

सांसद चौधरी ने प्रधानमंत्री को कोड करते हुए कहा कि पत्थर की छाती के आगे तूफान स्वयं झुक जाते हैं, अविचल विश्वासी के आगे भगवान स्वयं झुक जाते हैं।

बाल सरंक्षण पर छात्रावास अधीक्षकों की क्षमतावृद्धिद प्रशिक्षण सी एम राइज केसला में हुआ संपन्न

सांध्य प्रकाश.इटारसी। नर्मदापुरम जिले में जनजातीय कार्यविभाग मध्य प्रदेश शासन एवं मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखण्ड के छात्रावास अधीक्षको एवं सीएम राईस स्कूलों के शिक्षाओं का बाल सरंक्षण (पाक्सो और जेजे एक्ट) के तहत एक दिवसीय क्षमतावृध्दि प्रशिक्षण का आयोजन सुखतावा सीएम राइज में किया सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में 13 छात्रावास अधीक्षको एवं 17 सीएम राईज शिक्षकों उपस्थित रही । इस प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य छात्रावास अधीक्षको व शिक्षकों के माध्यम से छात्राओं को बाल सरंक्षण कानून एवं बाल अधिकारो पर बेहतर समझ विकसित करना है, वह अपने दायित्व को अधिक प्रभावी ढंग से निभाने में सक्षम हो।

इस दौरान किशोर न्याय बोर्ड के एल पी ओ एवं बाल संरक्षण अधिकारी आशु पटेल द्वारा किशोर न्याय अधिनियम में वर्णित प्रावधानों कि विस्तृत जानकारी में बताया कि किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 भारत में बच्चों के साथ कानून के उल्लंघन, देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों से संबंधित मामलों को देखता है। यह अधिनियम बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने और उनके खिलाफ किसी भी प्रकार के शोषण को रोकने के लिए बनाया गया है।

कार्यक्रम में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम) पर भी पीपीटी द्वारा सत्र लिया गया। उन्होने कहा कि छात्रावास अधीक्षकों को बाल अधिकार एवं बाल सरंक्षण के नियमो की जानकारी होना अति आवश्यक है साथ ही हम सभी को बच्चों के व्यवहार और उनकी बातों को सुनना भी उतना ही अनिवार्य है। स्कूल के प्राचार्य प्रदीप राजपूत ने कहाँ बच्चों के अधिकारो को सुरक्षित करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशिक्षण के दौरान कोमल मूवी के द्वारा सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श पर भी चर्चा की गई साथ ही एक गतिविधि के माध्यम से

बाल दुर्व्यवहार बाल अधिकारों पर प्रतिभागियों द्वारा प्रेजेंटेशन दिया गया

प्रशिक्षण में सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के नर्मदापुरम जिला कार्यक्रम प्रबन्धक सुश्री निष्ठा सौदावत एवं ब्लॉक मैनेजर विद्या रैकवार द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।इस दौरान महिला बाल विकास से कीर्ति बघेल सामाजिक कार्यकर्ता व काउंसलर भी मौजूद रही । प्रशिक्षण सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभकारी एवं प्रेरणादायक रहा, जिसमें छात्रावास अधीक्षकों को बालसुरक्षा, संरक्षण एवं सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ औरकौशल प्राप्त हुए, जो उनके कार्यक्षेत्र में उपयोगी सिद्ध होंगे साथ ही बाल अपराधों को रोकने में भी सहयोगी साबित होगा।

एचडीएफसी बैंक घोटाले पर साढ़े छह लाख की धोखाधड़ी का आरोप गंज थाने में मामला दर्ज

सांध्य प्रकाश बैतूल। जिला मुख्यालय शहर के गंज की एक बैंक द्वारा ग्राहक के खाते से बिना अनुमति 6.5 लाख रुपये निकाल लिए जाने पर पीड़ित ऋषी सोलंकी ने एस पी से शिकायत कर धोखाधड़ी होने पर जांच की मांग गई थी जिस पर गंज थाना में मामला दर्ज कर लिया है।

क्या है पूरा मामला :- ग्राहक ऋषी सोलंकी जिनका एच डी एफ सी बैंक की बैतुल गंज शाखा में संचालित है। ऋषि ने बताया कि उनके द्वारा बैंक में एफडी करवाने के लिए दो चेक जमा किए थे। लेकिन उन्हीं चेकों से लाखो की राशि निकाल ली गई है। 7 सितंबर 2024 को चेक क्रमांक 000003 के जरिये से चार लाख रुपये और 10 सितंबर 2024 को चेक क्रमांक 000004 के जरिये से दो लाख पचास हजार रुपये खाते से साढ़े छह लाख रुपए की राशि बिना अनुमति निकाल ली गई। जिसमे चौंकाने वाली बात है। ऋषि ने किसी के भी व्यक्ति के नाम पर कोई चेक जारी नहीं किया था। और स्वयं ने बैंक से रकम नहीं निकाली फिर खाते से राशि का भुगतान कैसे हो गया। जब ऋषी सोलंकी ने बैंक प्रबंधन से पूछा तो सही जवाब नही मिला। बैंक प्रबंधन द्वारा सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नही करायी गई। आशंका होने पर भुगतान का विवरण ,सीसीटीवी फुटेज, पाने और धोखाधड़ी किये जाने की श्री सोलंकी की शिकायत पर मामला दर्ज किया है।

इनका कहना है

ऋषि सोलंकी की रिपोर्ट पर जाँच के दौरान धोखाड़ी पाए जाने पर सेल्स मैनेजर रवि यादव पर अपराध क्रमांक 102 . 2025 दर्ज किया है। आरोपी रवि फरार कर दिया है।

श्री कुमरे साहब
गंज थाना प्रभारी

मदिरा दुकानों का ई-टेंडर एवं ई-टेंडर कम ऑक्शन द्वारा निष्पादन

मंडला। जिला आबकारी अधिकारी मंडला ने बताया कि नैनपुर समूह में सम्मिलित कम्पोजिट मदिरा दुकानों का द्वितीय चरण में 13 मार्च 2025 को सायं 5 बजे से ई-टेण्डर कम ऑक्शन खोलने की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी। इच्छुक पात्र आवेदक एमपी टेण्डर पोर्टल के माध्यम से 13 मार्च 2025 को प्रातः 10 बजे तक ऑनलाईन टेण्डर प्रपत्र डाउनलोड कर ई-टेण्डर ऑफर सबमिट कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि टेण्डरदाता को टेण्डर में भाग लेने के पूर्व कॉन्ट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन मॉड्यूल के अंतर्गत पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। अन्य जानकारी कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी मण्डला से प्राप्त कर सकेंगे।

बेखौफ लुटेरों ने घर में घुसकर शिक्षक को लूटा, नकदी ले गए

सिवनी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत छिंदवाड़ा बायपास ब्रिज के समीप सुंदर नगर छिंदवाड़ा रोड बायपास बम्होड़ी निवासी शिक्षक के घर शनिवार की देर रात लुटेरों ने धावा बोला। शिक्षक का गला दबाकर रस्सी से बांधे। इसके बाद तमंचा अड़ाकर पूछा कि 50 लाख रुपए कहां रखे हो। डकैतों के कुछ साथियों ने घर में रखे आलमारी, दिवान पेटी आदि को तोड़कर उसमें रखे नकदी रुपए मेरा मोबाइल लूटकर चले गए। लुटेरे ने जब श्री उपाध्याय को घर के चादर व अन्य कपड़ों से पलंग पर ही बांध दिया और उनके कुछ साथी घर के कमरों की तलाशी अभियान में जुड़ गए वहीं उनके समीप उनके सिर पर कट्टा अडाकर बैठा युवक ने उनसे कहा कि आप पिता के समान हैं, हम आपका कुछ नहीं करेंगे। घर में 50 लाख रुपए कहां रखे वह बता दो। घटना की सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया है। पीड़ित शिक्षक योगेश उपाध्याय एमएलबी में पदस्थ है। उन्होंने पुलिस से किए गए शिकायत में कहा कि मेरी पत्नी और बेटी शुक्रवार को वृंदावन के लिए गए हैं। मैं और मेरा बेटा घर पर थे।

गंदे नाले की सफाई एवं बुधवारा मार्ग पर पानी की निकासी कराने और मार्ग बनवाने के लिए नागरिकों ने सौंपा ज्ञापन, सीएम हेल्पलाइन पर भी अनेक बार शिकायत कर चुके

आष्टा। नगर का प्रमुख मार्ग बुधवारा के रहवासी और व्यापारीगण गंदे नाले की सफाई एवं बुधवारा मार्ग पर पानी निकासी की उचित व्यवस्था करने के साथ ही गड्ढों में तब्दील पूरे मार्ग तथा खारी कुंडी के समीप का क्रासिंग को बनवाने हेतु नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं मुख्य नगर पालिका की अनुपस्थिति में उनके अधिनस्थ को ज्ञापन सौंपा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार 11 मार्च को बुधवारा निवासी संजय रांका, मुकेश चतरमुथा, राजेंद्र चौरसिया,अंशूल रांका, प्रदीप जैन पोरवाल, कुणाल चौरसिया,राज परमार, नरेन्द्र परमार आदि ने नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा को ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया कि वार्ड नंबर 11 मैं स्थित गंदा नाला पूरा भर चुका है, जिसके कारण उसका गंदा पानी रोड़ पर आता है। बारिश के दिनों में तो इस नाले का पानी दुकानों में भर जाता है। जिसके कारण व्यापारियों को काफी परेशानी व नुकसान होता है।वहीं आम नागरिकों को आवागमन में असुविधा का सामना करना पड़ता है। खारी कुंडी के समीप का क्रासिंग क्षतिग्रस्त हो गया है, काफी संख्या में लोग नित्य दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। नगर पालिका नालियों की सफाई कराती है लेकिन गंदा नाला की नहीं। क्योंकि उक्त नाला पर नगर पालिका ने आरसीसी छत डाल कर बंद कर दिया है। नाला की सफाई व्यवस्था ठीक कराने के साथ ही खारी कुंडी के समीप का क्रासिंग ठीक कराया जाएं।

8 इंच ऊंचा मार्ग बनाने से समस्या बढ़ेगी

बुधवारा के जागरूक नागरिकों ने अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा को यह भी अवगत कराया कि अस्पताल के समीप का जो मार्ग पारख मेडिकल तक का बनवाया गया है वह 8 इंच ऊंचा होने के कारण बारिश के दिनों में पानी दुकानों में घुसेगा, क्योंकि उससे आगे के मार्ग पर डामरीकरण कराने की बात कही गई है। नागरिकों ने सड़क के दोनों तरफ चौड़ी नाली बनवाने एवं पानी की निकासी व्यवस्थित कराने की बात कही।

कान्हा के जंगलों में नक्सली मुठभेड़ होते ही उठे सुरक्षा पर सवाल

मण्डला। जिले में अब राष्ट्रीय पार्क कान्हा में भी सैलानियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं विगत दिनों हुए नक्सली मुठभेड़ पर सवाल- जवाब पर सैलानियों को कोई खतरा नही की पुष्टि पर संजय कुमार पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट द्वारा पुलिस ऑफिसर्स मेस में हुई पत्रकार वार्ता के दौरान यह बात कही गई है।कान्हा नेशनल पार्क के चिमटा वन क्षेत्र में हुई विगत दिनों की पुलिस और नक्सली मुठभेड़ के बाद सभी जोन पर्यटकों के लिए खोल दिए गए है इस नक्सली मुठभेड़ में लगभग 35 वर्ष का अज्ञात नक्सली पुरुष मारा गया जिसकी शिनाख्त होना बाकी है।नेशनल पार्क कान्हा के पुलिस ऑफिसर्स मेस में हुई पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए बालाघाट जोन के आई जी संजय कुमार ने बताया की अज्ञात मृतक नक्सली के शव को सुरक्षित रखा दिया गया है महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ पुलिस से संपर्क किया जा रहा है की शव की शिनाख्त हो जाए सेंट्रल नक्सली से भी इस शव की पहचान कराई जा रही है।

नक्सली मुठभेड़ के दौरान मददगार हुए गिरफ्तार

नक्सली मुठभेड़ में दो नक्सली के मदद गारो को भी हिरासत में लिया गया है जो ग्राम सोतिया और बटवार के रहने वाले है जिनसे पूछताछ की जा रही है जिनके नाम संतोष और अशोक है पुलिस महा निरीक्षक बालाघाट श्री संजय कुमार ने बताया की कुछ बड़ी घटनाएं इन्होने अभी हाल में किए है छत्तीसगढ़ में वहां से दबाव बनाने के बाद यहां आ सकते है हम इन नक्सलीयों के पैर नही जमने देंगे। पुलिस द्वारा दिया गया मुंह तोड जवाब के चलते इनके एरिया सिकुड़ गए है रायपुर सड़क मार्ग पर बोड़ला में ये खत्म हो गए है केंद्र सरकार के 2026 के नक्सली उन्मूलन की दिशा में हम बेहतर काम कर रहे है और अलर्ट मोड पर है। विगत दिनों की इस नक्सली मुठभेड़ के बाद सर्चिंग के दौरान घटना स्थल पर 315 बोर की बंदूक मिली है। उसके बाद जब सर्चिंग की है तो मृतक नक्सली के पास से हथियार और राशन साम्रगी मिली है।शव नक्सली का बम्हनी बंजर हॉस्पिटल में रखा दिया गया है और पूरे सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन से पोस्ट मार्टम के बाद की कार्यवाही होगी।।ऑपरेशन में हॉक फोर्स,सी आर पी एफ,,एस ए एफ और जिला पुलिस बल शामिल रहा।आई जी बालाघाट ने सवाल का जवाब दिया की कान्हा नेशनल पार्क में आने वाले सैलानीयों को कोई खतरा नही है ये बात उन्होंने दावे से कही किंतु पार्क के अन्दर ही चिमटा वन क्षेत्र में यह घटना बड़ा सवाल छोड़ गई 18 से 20 नक्सली में 1 मारा गया बाकी भाग गए दो मददगार पकड़े गए बेहतर परिणाम यह रहा की पुलिस के किसी भी जवान को पूरे ऑपरेशन में खरोच भी नही आई ऑपरेशन खत्म होने के साथ ही कुछ समय के लिए रोक लगा दी गई थी सैलानियों के लिए वो हटा दी गई है सभी जोन के मार्ग घूमने के लिए खोल दिए गए है। पुलिस आई जी संजय कुमार ने बताया की मौके पर अभी सर्चिंग अभियान जारी है इनके भागने छुपने के क्या स्थान हो सकते है उस आधार पर पार्टी और फोर्स बढ़ाई जाएगी।पुलिस की ओर से 80 राउंड और नक्सलीयों की ओर से 125 राउंड दागे गए थे आपने बताया की जिस क्षेत्र में आपरेशन हुआ वो कान्हा नेशनल पार्क के घूमने के जोन से दूर है और पुलिस पर्यटक का ध्यान भी रखती है।

मखाना और महाकुंभ के जल के साथ मॉरीशस गए प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को दिए खास तोहफे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और मॉरिशस के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरिशस के राष्ट्रपति धरम गोखुल और उनकी पत्नी को विशिष्ट भारतीय उपहार भेंट किए। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति गोखुल को महाकुंभ के पवित्र संगम का जल और बिहार का सुपरफूड मखाना भेंट किया। राष्ट्रपति की पत्नी को बनारसी साड़ी भेंट की। पीएम मोदी ने मॉरिशस के राष्ट्रपति गोखुल को महाकुंभ का जल एक कांसे और पीतल के बर्तन में भेंट किया। यह भारतीय संस्कृति और धार्मिकता का प्रतीक है। इस जल को महाकुंभ जैसे विशाल धार्मिक आयोजन से लिया गया था, जो भारतीय हिंदू परंपरा में अत्यधिक महत्व रखता है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने मॉरिशस के राष्ट्रपति को बिहार का प्रसिद्ध सुपरफूड मखाना भी भेंट किया। मखाना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है, विशेष रूप से भारत के बिहार राज्य में उगाया जाता है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं। यह उपहार दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को प्रगाढ़ करता है। मॉरिशस राष्ट्रपति की पत्नी को प्रधानमंत्री मोदी

ने भारतीय शिल्प कला की उत्कृष्टता का प्रतीक एक शानदार बनारसी साड़ी भेंट की। यह साड़ी वाराणसी की प्रसिद्ध बनारसी शिल्पकला को दर्शाती है, जिसमें बारीक सिल्क, जटिल ब्रोकेड और भव्य जरी काम का उपयोग किया गया है। साड़ी का रॉयल ब्लू रंग और चांदी की जरी से बनी डिजाइन इसे विशेष रूप से भव्य और आकर्षक बनाती है। पीएम मोदी ने मॉरिशस राष्ट्रपति को बिहार के मखाने तोहफे में भेंट किए। राष्ट्रपति गोखुल से मुलाकात करने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरिशस पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम से भेंट की और दोनों नेताओं ने सर शिवसागर रामगुलाम बोटैनिकल गार्डन में एक पौधा लगाया। इससे पहले, करीब एक दशक बाद मॉरिशस पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पीएम मोदी ने पिछली बार 2015 में मॉरिशस की यात्रा की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि मोदी के समकक्ष रामगुलाम और अन्य नेताओं ने उनका रस्मी स्वागत किया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''यह भारत और मॉरिशस के मजबूत संबंधों को दर्शाता है।'' जायसवाल ने बताया कि शिवसागर रामगुलाम को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मोदी ने राष्ट्रपति से मुलाकात की और वह राजकीय भोज में भाग लेंगे।

फैबइंडिया के साथ अपने होली लुक को बनाएं बेहद खूबसूरत

इंदौर एजेंसी। सफेद पहनना होली की शुरुआत की तरह है - एक खाली पन्ना, जिस पर ये त्योहार रंग अपनी छाप छोड़ते हैं। इस अवसर पर, फैबइंडिया प्रस्तुत करता है अपना - द कलर्स ऑफ़ व्हाइट पारम्परिक डबु प्रिंट वाले रेड कॉटन सिल्क डबु प्रिंटेड दुपट्टा कॉटन सिल्क दुपट्टा के साथ अपने होली के लुक को भव्य बनाइए। इसका खूबसूरत लाल रंग दिन भर आराम के साथ त्योहार के आकर्षण को कई गुना बढ़ा देगा। आप इसे क्लासिक कुर्ता या फ्यूज़न वियर के साथ पहन सकती हैं। इसका आकर्षक हैण्ड-ब्लॉक पैटर्न और सॉफ्ट टेक्सचर आपके फेस्टिव लुक को बेहद भव्य बना देगा। फैबइंडिया ऑफ-व्हाईट कॉटन प्रिंटेड लॉन्ग कुर्ता आराम और स्टाइल का बेहतरीन संयोजन है। इसका नाजुक प्रिंट इसे आकर्षक बनाता है, वहीं ब्रीदेबल कॉटन फैब्रिक के चलते आप होली के पूरे दिन आरामदायक महसूस करेंगी। इसे आप कलरफुल सलवार या स्लिम फिट पैंट्स के साथ पहन सकती हैं। इसके साथ पहनें स्टेटमेन्ट सिल्वर एक्सेसरी और अपने फेस्टिव लुक को भव्यता का अहसास दें। खूबसूरती से डिज़ाइन किया गया मैटल का मैटल ओपनेबल बैंगल परम्परा और आधुनिकता का बेहतरीन संयोजन है। इसका एंटीक फिनिश और खूबसूरत कारीगरी इसे बेहद खास बना देते हैं, आप इसे स्टेटमेन्ट पीस की तरह पहन सकती हैं। यह आसानी से खुल जाता है और बेहतरीन फिट देता है, साथ ही यह आपके होली के परिधान के साथ खूब जंचेगा। इसे वाइब्रेन्ट कुर्ता या चिकनकारी आउटफिट के साथ पहनिए और होली के जश्न को खास बना लीजिए।

आईएलएंडएफएस इनविट - रोडस्टार इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट - एनएसई पर सूचीबद्ध, मूल्य और विकास क्षमता को अनलॉक करता है

मुंबई एजेंसी। इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएलएंडएफएस) ने रोडस्टार इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट इनविट (आरआईआईटी) इकाइयों को एक लिस्टिंग समारोह में एनएसई पर सूचीबद्ध किया। इसमें आईएलएंडएफएस समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री नंद किशोर; अध्यक्ष डॉ जे एन सिंह, और रोडस्टार इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स लिमिटेड (आरआईएमएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री डैनी सैमुअल और नए बोर्ड के कई सदस्य उपस्थित थे। आरआईआईटी की लिस्टिंग इनविट के वितरण के बाद हुई है - जिसमें 6 अंतर्निहित सड़क संपत्तियां हैं। इसका उद्यम मूल्यांकन 8,592 करोड़ रुपये है, इस प्रकार आईएलएंडएफएस समूह की ऋण समाधान के लिए विविध वित्तीय साधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता को रेखांकित करता है। रोडस्टार इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित रोडस्टार इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की स्थापना भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्वामित्व, संचालन और निवेश करने के उद्देश्य से की गई थी, और यह इनविट विनियमों के तहत पंजीकृत है।

एसबीआई ने देश भर में अपनी पहुंच बढ़ाई, वंचितों को सशक्त बनाया

मुंबई एजेंसी। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने 1 जुलाई, 1955 को अपनी स्थापना के 70 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में अपने प्लैटिनम जयंती समारोह की शुरुआत की। समारोह के हिस्से के रूप में, माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 70 शाखाओं और 501 महिला ग्राहक सेवा केंद्रों (सीएसपी) का उद्घाटन किया, जिससे वंचित आबादी को प्रभावी ढंग से सेवा प्रदान करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को बल मिला। उद्घाटन डीएफएस सचिव श्री एम. नागराजू और एसबीआई के चेयरमैन श्री सीएस शेट्टी की मौजूदगी में हुआ। अपने दौरे के दौरान, वित्त मंत्री ने बैंक की एक विशेष बोर्ड बैठक को भी संबोधित किया। एसबीआई अपने ग्राहकों की पहुंच बढ़ाने और देश भर में बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों तक पहुँचने के लिए अपने शाखा नेटवर्क का विस्तार कर रहा है। इस वित्तीय वर्ष में, बैंक ने बैंकिंग सेवाओं को वंचित समुदायों तक अधिक सुलभ बनाने के लिए प्रमुख क्षेत्रों को रणनीतिक रूप से लक्षित करना जारी रखा है। नागालैंड में पुघोफोटो, ओडिशा में इटामती, केरल में चुल्लीमनूर, आंध्र प्रदेश में पलासमुद्रम और तेलंगाना में चिन्नामबावी जैसे गांवों में शाखाओं का उद्घाटन वित्तीय समावेशन के लिए बैंक की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड की बड़ी उपलब्धि

चेन्नई , एजेंसी। उभरते बाजारों की एक प्रमुख एफएमसीजी कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) ने तमिलनाडु में चेन्नई के पास चेंगलपट्टू जिले में अपना पहला इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग प्लांट शुरू किया है। इस प्लांट का उद्घाटन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु एम.के. स्टालिन, नादिर गोदरेज, चेयरपरसन, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप और जीसीपीएल के सीईओ सुधीर सीतापति ने किया। मुख्यमंत्री श्री एम.के. स्टालिन ने उत्पादन लाइन को शुरू करके प्लांट का संचालन किया, जिसके बाद पहले उत्पादन के रूप में सिंथॉल ओरिजनल साबुन बार का निर्माण हुआ। यह प्लांट की शुरुआत के लिए एक अहम क्षण था। साल 2024 में, जीसीपीएल ने तमिलनाडु में अपनी अत्याधुनिक निर्माण सुविधा का शिलान्यास समारोह आयोजित किया था। इसमें अगले पांच वर्षों में लगभग 515 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। यह जीसीपीएल द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए किया गया अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। यह प्लांट 27 एकड़ में फैला हुआ है और इसे केवल 13 महीने में तैयार किया गया है।

जब दूसरे पैसे लगाने से डर रहे हों तो आप लालची बन जाइए: वॉरेन

मुंबई, एजेंसी। इन दिनों भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त उठा-पटक चल रही है। जब शेयर बाजार में तेज गिरावट आती है, तो निवेशकों में घबराहट फैल जाती है और कई निवेशक तो जल्दबाजी में फैसले लेने लगते हैं। ऐसी स्थिति में घबराकर सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान में योगदान बंद करना या जितने साल का लक्ष्य है, उस समय से पहले अपने निवेश को भुनाना निवेशकों को एक सुरक्षित कदम की तरह लग सकता है। लेकिन वास्तव में यह आपके फाइनेंशियल हेल्थ के लिए नुकसानदायक है।

बड़ौदा बीएनपी पारिबा एसेट मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ सुरेश सोनी का कहना है कि एसआईपी के पीछे मूल सिद्धांत रूपी कास्ट एवरेजिंग है और इसे बाजार की अस्थिरता के दौरान निवेशकों के हित में काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। वास्तव में, जब आप लोअर मार्केट लेवल पर एसआईपी जारी रखते हैं, तो आप अपने समान मंथली निवेश की राशि से अधिक यूनिट खरीद सकते हैं, क्योंकि नेट एसेट वैल्यू कम होती है। यह रणनीति सुनिश्चित करती है कि जब बाजार में रिकवरी आती है, तो इन बढ़ी हुई यूनिट पर आपको ज्यादा लाभ होता है। एक स्टडी से पता चलता है कि पिछले 2 दशक में, ऐसे 13 मौके आए, जब एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स ने 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की। इनमें से 11 मौकों पर, इंडेक्स ने एक साल बाद पॉजिटिव रिटर्न दिया। इसके अलावा, इनमें से 9 मौकों पर रिटर्न दोहरे अंकों में था, जबकि औसत रिटर्न 21 फीसदी रहा। अगर आप 10 फीसदी की गिरावट के बाद भी निवेश के लिए 3 साल तक समय-सीमा बढ़ाते हैं, तो निगेटिव रिटर्न का एक भी उदाहरण नहीं था।

आलिया भट्ट ने किया बड़ा खुलासा, रणबीर आमिर का नया प्रोजेक्ट कल होगा अनाउंस

आमिर खान और रणबीर कपूर एक साथ परदे पर नजर आने वाले हैं। ऐसा कहना है खुद आलिया भट्ट का। आलिया ने आज मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें आमिर और रणबीर नजर आ रहे हैं। यह जानकर दर्शक काफी उत्साहित हैं और प्रोजेक्ट से जुड़ी डिलेट का इंतजार कर रहे हैं। आलिया भट्ट ने आज अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है। आलिया एक पोस्टर हाथ में लिए नजर आ रही हैं और कह रही हैं, मैं आप सभी को यह दिखाने का इंतजार कर रही थी। मेरे दो फेवरेट एक्टर साथ में दिखेंगे। एक-दूसरे के आमने-सामने। इसके बाद आलिया ने पोस्टर दिखाया, जिसमें आमिर और रणबीर कपूर नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ आलिया ने कैप्शन लिखा है, सर्वश्रेष्ठ की लड़ाई! मेरे दो पसंदीदा अभिनेता एक-दूसरे के खिलाफ। कुछ बेहद रोमांचक जानकारी के लिए साथ बने रहिए। कल इस बारे में और डिटेल शेयर की जाएंगी। आलिया ने आगे लिखा है, मुझे पता है कि आपको भी यह पोस्टर उतना ही पसंद आएगा जितना मुझे आया! आलिया भट्ट ने जो पोस्टर शेयर किया है, उसमें आमिर और रणबीर की तस्वीरों के साथ लिखा है, अल्टीमेट ब्लॉकबस्टर। साथ ही निर्देशक के रूप में नितेश तिवारी का नाम है। फैंस जानना चाह रहे हैं कि क्या यह कोई नई फिल्म है। दरअसल, आलिया ने कैप्शन में हैशटैक के साथ एड भी लिखा है। ऐसे में सवाल ये भी है कि क्या दोनों सुपरस्टार्स किसी विज्ञापन में साथ नजर आने वाले हैं।

अडानी के हाथ लगा मुंबई में एक और प्रोजेक्ट, लागत 36000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। हाउसिंग प्रोजेक्ट को लेकर गौतम अडानी को एक और खुशखबरी मिली है। अडानी ग्रुप को मुंबई में एक बड़ा हाउसिंग प्रोजेक्ट मिला है। अडानी ग्रुप का यह प्रोजेक्ट गोरेगांव के मोतीलाल नगर में है। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज की रियल एस्टेट शाखा अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत मोतीलाल नगर का रीडेवलपमेंट करेगी। इस प्रोजेक्ट की लागत 36 हजार करोड़ रुपये है। यह मुंबई का सबसे बड़ा हाउसिंग प्रोजेक्ट है। जानकारों के मुताबिक इस प्रोजेक्ट के लिए अडानी ग्रुप ने सबसे ऊंची बोली लगाई। इस बोली में एपीपीएल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एलएंडटी को पीछे छोड़ दिया। एपीपीएल ने एलएंडटी से ज्यादा बिल्ट-अप एरिया देने की पेशकश की। एपीपीएल और महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी मिलकर इस प्रोजेक्ट को करेंगे। मोतीलाल नगर प्रोजेक्ट गोरेगांव (पश्चिम) के उपनगर में 143 एकड़ में फैला है। इसमें तीन अलग-अलग हिस्सों- मोतीलाल नगर प्रथम, द्वितीय और तृतीय का रीडेवलपमेंट शामिल है। माना जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से गोरेगांव की तस्वीर बदल जाएगी। मुंबई में अडानी ग्रुप के लिए यह दूसरा बड़ा शहरी पुनर्विकास प्रोजेक्ट है। इससे पहले ग्रुप धारावी स्लम रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट में शामिल था। यह प्रोजेक्ट एशिया के सबसे बड़े स्लमों में से एक को विश्व स्तरीय शहरी केंद्र में बदलने का काम करेगा।

स्टारलिंक के साथ देंगे सैटेलाइट इंटरनेट, भारत में स्टारलिंक हाई-स्पीड इंटरनेट की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक की भारत में एंट्री होने जा रही है. मस्क की स्पेस एक्स ने भारतीय टेलिकॉम कंपनी एयरटेल के साथ पार्टनरशिप की है. इसके तहत स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट को भारत में लॉन्च किया जाएगा. हालांकि अभी तक स्पेसएक्स को इंडियन अथॉरिटी से लाइसेंस मिलना बाकी है. सवाल ये है कि स्टारलिंक अगर भारत में दस्तक देता है तो इससे क्या फायदा होगा?

बता दें कि भारत में स्टारलिंक एयरटेल के जरिए अपने इक्विपमेंट्स बेच सकेगा. इस पार्टनरशिप से दोनों ही कंपनियों को फायदा होगा. दरअसल एयरटेल स्टारलिंक का इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल कर सकेगा. वहीं मस्क की कंपनी के लिए भारत में अपना विस्तार करना आसान हो जाएगा. वहीं एयरटेल के मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर का फायदा स्टारलिंक को भी मिलेगा. रूरल और रिमोट एरिया में हाई स्पीड ब्रॉडबैंड सेवा मिल सकेगी। भारत में किफायती दरों पर हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड एक्सेस मिल सकेगा । दूरदराज के जिन इलाकों में फिलहाल कनेक्टिविटी नहीं है, वहां भी आसानी से इंटरनेट पहुंच पाएगा। हर व्यक्ति, व्यवसाय और समुदाय को विश्वसनीय इंटरनेट सेवा मिल सकेगी। आम लोगों को सबसे कम कीमत वाली सैटेलाइट इंटररनेट सर्विस मिल सकेगी। भारतीय ग्राहकों को विश्वसनीय और सस्ता ब्रॉडबैंड मिल सकेगा। देश के दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में कई अन्य सुविधाओं की भी संभावना । स्टारलिंक के आने से देश में विकास के नए मौके खुलेंगे एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक के साथ हुए समझौते पर एयरटेल के वाइस चेयरमैन गोपाल विट्टल का कहना है कि भारत में स्पेसएक्स के साथ काम करना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है. यह अगली पीढ़ी की उपग्रह कनेक्टिविटी के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. यह सहयोग भारत के सबसे दूरदराज के इलाकों में भी विश्वस्तरीय तेज स्पीड वाले ब्रॉडबैंड लाने की हमारी क्षमता को बढ़ाता है. इससे यह सुनिश्चित होता है कि हर व्यक्ति, व्यवसाय और समुदाय के पास विश्वसनीय इंटरनेट हो. हाई स्पीड इंटरनेट सेवा स्टारलिंक लाने पर समझौता सस्ती, विश्वसनीय सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विस देना मकसद। दोनों ही इंटरनेट कनेक्टिविटी के विस्तार के तरीके तलाशेंगे। एयरटेल अपने स्टोर पर स्टारलिंक के उपकरण पेश कर सकता है।

स्टारलिंक एयरटेल को हाई स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट देगा

ग्राहकों को सस्ता इंटरनेट मिल सकेगागोपाल विट्टल ने कहा कि स्टारलिंक, एयरटेल के उत्पादों के समूह को पूरक और उन्नत करेगी, ताकि हमारे भारतीय ग्राहकों के लिए विश्वसनीय और सस्ता ब्रॉडबैंड सुनिश्चित हो सके. एयरटेल और स्पेसएक्स यह भी पता लगाएंगी कि स्टारलिंक किस तरह से एयरटेल नेटवर्क का विस्तार कर सकती है. इसके साथ ही स्पेसएक्स की भारत में एयरटेल के मैदानी नेटवर्क ढांचा और अन्य क्षमताओं का उपयोग करने और उनसे लाभ उठाने की क्षमता का भी पता लगाया जाएगा.

मेड इन इंडिया, मेड फ़ॉर इंडिया' पर ध्यान केंद्रित करते हुए, हायर ने नई एसी उत्पादन और इंजेक्शन मोल्डिंग इकाइयों के साथ ग्रेटर नोएडा प्लांट का विस्तार किया

मुंबई एजेंसी। लगातार 16 वर्षों से नंबर 1 वैश्विक प्रमुख उपकरण ब्रांड हायर अप्लायंसेज़ इंडिया ने अभूतपूर्व क्षमताओं के साथ अपने एसी विनिर्माण का विस्तार किया है और ग्रेटर नोएडा के अपने प्लांट में एक नई इंजेक्शन मोल्डिंग सुविधा का उद्घाटन किया है। भारत में अग्रणी घरेलू उपकरण निर्माताओं में से एक, यह विकास मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया पहल को मज़बूत करने की दिशा में एक और कदम है। इस शिलान्यास समारोह का नेतृत्व उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और हायर अप्लायंसेज़ इंडिया के अध्यक्ष एनएस सतीश ने किया। इस अवसर पर आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख सचिव अनुराग यादव और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ श्री रवि कुमार एनजी भी मौजूद थे। यह उपलब्धि 'मेड इन इंडिया, मेड फ़ॉर इंडिया' के प्रति हायर की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, स्थानीय विनिर्माण को मज़बूत करती है, नवाचार को बढ़ावा देती है और देश के आर्थिक विकास को गति देती है।

हायर ने इन नई सुविधाओं में महत्वपूर्ण निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। 2024-2028 के बीच हायर 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त निवेश करेगा, जिससे 3,500 लोगों के लिए अतिरिक्त रोज़गार पैदा होगा और इससे उत्तर प्रदेश की आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। ये निवेश भारत में अपने विनिर्माण का विस्तार करने की हायर की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।आगामी एसी फैक्ट्री की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2.5 मिलियन यूनिट होगी, जो मौजूदा 1.5 मिलियन यूनिट से बढ़कर कुल 4 मिलियन यूनिट हो जाएगी। इस बीच, इंजेक्शन मोल्डिंग सुविधा प्रमुख घटकों के उत्पादन को मज़बूत करेगी, जिससे हायर की उत्पाद श्रेणियों में विनिर्माण दक्षता में वृद्धि होगी।

भारत-अमेरिका समझौते से व्यापार दोगुना करने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इसका लक्ष्य दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाना है। यह बातचीत ऐसे समय हो रही है जब दुनिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी से हड़कंप मचा हुआ है। उन्होंने भारत पर भी जवाबी शुल्क यानी रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। लेकिन, जिस समझौते पर चर्चा जारी है वह पूरा खेल सेट कर देगा। यह भारत और अमेरिका के बीच कारोबार को दोगुना कर 2030 तक 500 अरब डॉलर पहुंचाने की नींव तैयार करेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि अमेरिका ने भारत को अब तक रेसिप्रोकल टैरिफ से बाहर रखा है। तमाम चेतावनियों के बीच यह दिखाता है कि अमेरिका भारत से किस हद तक उम्मीद कर रहा है। भारत और अमेरिका के बीच इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बाजारों तक पहुंच बढ़ाना है। साथ ही, आयात शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को कम करना भी है। इसके अलावा, सप्लाई चेन इंटीग्रेशन को बेहतर बनाने पर भी फोकस किया जा रहा है। वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में इस बारे में जानकारी दे चुके हैं।

रूस के साथ 30 दिनों के युद्धविराम को तैयार यूक्रेन, अमेरिका ने दिया था प्रस्ताव

जेद्दा। तीन साल से रूस के साथ चल रहे युद्ध के बीच मंगलवार को यूक्रेन पहली बार युद्ध विराम के लिए तैयार हुआ है। सऊदी अरब में अमेरिका के साथ वार्ता के दौरान यूक्रेन ने रूस के साथ 30 दिनों तक युद्ध विराम पर सहमति जताई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अब वह यह प्रस्ताव लेकर रूस के पास जाएंगे और इसका फैसला मास्को को करना है। इसके साथ ही अमेरिका, यूक्रेन की मदद के साथ खुफिया सूचना साझा करना फिर से शुरू कर देगा। कीव द्वारा सोमवार रात को मॉस्को पर अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमले के बाद यूक्रेन और अमेरिका के अधिकारियों ने रूस के साथ चल रहे युद्ध को रोकने के रास्ते तलाशने के लिए कई घंटों की बैठक की। आठ घंटे से भी ज्यादा लंबी बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें यूक्रेन ने तुरंत 30 दिनों के अंतरिम युद्ध विराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। इस युद्ध विराम को यूक्रेन और रूस की आपसी सहमति से आगे भी बढ़ाया जा सकता है और यह रूस द्वारा स्वीकार और लागू किए जाने पर निर्भर करता है। अब अमेरिका, शांति स्थापित करने के लिए रूस से संपर्क कर इसे लागू करने के लिए कहेगा। इससे पहले सोमवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की जेद्दा पहुंचे और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की। 28 फरवरी को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जेलेंस्की के बीच हुई तीखी बहस के बाद युद्ध विराम को लेकर सऊदी में यह वार्ता एक नए कूटनीतिक प्रयास को दर्शाती है।

यूक्रेनी अधिकारियों ने सोमवार को कहा था कि वे काला सागर में युद्ध विराम का प्रस्ताव रखेंगे, जिससे नौवहन सुरक्षित होगा, यूक्रेन में नागरिकों पर मिसाइल हमले रुकेंगे और कैदियों की रिहाई हो सकेगी। उन्होंने बताया कि यूक्रेन दुर्लभ खनिजों को लेकर अमेरिका के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। इसके लिए ट्रंप ने उत्सुकता दिखाई है। बकि जेद्दा की उड़ान में रूबियो ने पत्रकारों से कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल तीन वर्ष से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए कोई विशेष उपाय प्रस्तावित नहीं करेगा। वह यूक्रेन से यह जानना चाहेगा कि वे किन शर्तों पर विचार करने के लिए तैयार हैं।

रूस की ये हैं शर्तें

रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन ने सार्वजनिक रूप से किसी रियायत की पेशकश नहीं की है। रूस ने कहा है कि वह इस शर्त पर युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार है कि यूक्रेन नाटो में शामिल होने का प्रयास छोड़ दे और मास्को के कब्जे वाले क्षेत्रों को रूसी क्षेत्र के रूप में मान्यता दे। उम्मीद है कि अमेरिका सऊदी वार्ता निष्कर्ष के बारे में जानकारी साझा करेगा। जबकि क्रेमलिन ने रूसियों को इस बात को लेकर आगाह किया है कि वे ट्रंप प्रशासन की ओर से यूक्रेन को लेकर उठाए जा रहे कदमों से प्रभावित नहीं हों। उनके कार्य मास्को के लिए आशाजनक लग सकते हैं, लेकिन बहुत बुरा के लिए तैयार रहें।

अमेरिका के बगैर हुई सैन्य प्रमुखों की बैठक

यूक्रेन के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए मंगलवार को पेरिस में एक अहम बैठक हुई। इसमें अमेरिका के सबसे करीबी सहयोगी 30 से ज्यादा देशों के सेना प्रमुख शामिल हुए। हालांकि ऐसा संभवत- पहली बार है, जब इस तरह की बैठक में अमेरिका शामिल नहीं रहा। बैठक में नाटो और ईयू सदस्यों समेत 34 सैन्य प्रमुखों ने हिस्सा लिया। ट्रंप के पीछे हटने और रूस के साथ मेल-मिलाप के मद्देनजर हुई।

पटेल कालोनी में सावित्री बाई फुले की 128वीं पुण्यतिथि मनाई गई

छिंदवाड़ा। स्थानीय पटेल कालोनी में भारत की प्रथम शिक्षिका सावित्री बाई फुले की 128 वी पुण्यतिथि सावित्री बाई फुले समिति के तत्वाधान मे किया गया इस अवसर पर अनिता शर्मा मेडम व राजेश दोड़के जी अतिथि के रूप मे उपस्थित थे सर्वप्रथम भारत की प्रथम शिक्षिका सावित्री बाई की फोटो पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया समिति की संयोजिका निलिमा घोरसे द्वारा सावित्री बाई के जीवन पर प्रकाश डाला गया उन्होने बताया की सावित्री बाई फुले एक महानसमाजसेविका के साथ कवियत्री थी उन्हे भारत की प्रथम शिक्षिका होने का गौरव प्राप्त है इस अवसर पर सिलाई ट्रेनिंगकोर्स प्रशिक्षित महिला श्रद्धाटांडेकर सुमनयादव सोनमसिंग कशिस खान को सम्मानित कर प्रमाण पत्र वितरित किये गये इस अवसर पर मालती झारिया पिंकि मसकोले सोनम पवार नीलम नामदेव सविता डेहरिया रविणा लोतिया समा अंसारी उपस्थित थी मंच संचालन अरूण घोरसे द्वारा किया गया।

दो मोटर साइकिल की टक्कर में युवक घायल, एक को डायल 112/100 एफआरवी ने अस्पताल पहुंचाया

छिंदवाड़ा। थाना परासिया क्षेत्र में सोना पिपरी गाँव के पास दो मोटर साइकिल आपस में टकरा गयी है 02 युवक घायल हो गये हैं, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में दिनाँक 10-03-2025 को रात्रि 07=24 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल परासिया थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक विपिन पांडे पायलेट संजय देहरिया ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि दो मोटर साइकिल की आपसी टक्कर हो जाने से दो युवक अंकित इवनाती एवं मयंक इवनाती निवासी जमकुंडा घायल हो गये थे। डायल-112/100 एफ आर व्ही द्वारा घायलों को शासकीय अस्पताल परासिया पहुँचाया गया जहां से प्राथमिक उपचार उपरांत घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया।

रिश्वतखोर का किया स्वागत

जांच प्रभावित करने बनाई योजना, जांच होगी प्रभावित

छिंदवाड़ा। पशुपालन विभाग में भ्रष्टाचार का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जुन्नारदेव में पदस्थ डॉक्टर योगेश सेमल को कुछ महीने पहले लोकायुक्त टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा था।नियमानुसार, लोकायुक्त जांच की अवधि में आरोपी कर्मचारी का स्थानांतरण दूसरे जिले में किया जाना चाहिए, ताकि वह जांच को प्रभावित न कर सके।आरोपी अधिकारी को शातिर योजना बनाकर पांढुर्णा जिले के सौसर तहसील में स्थानांतरित किया गया है, लेकिन उनका वेतन आहरण आज भी छिंदवाड़ा मुख्यालय से हो रहा है। इसके अलावा छिंदवाड़ा और पांढुरना के पशु उप संचालक पद का जिम्मा डॉ एच जी एस पक्षवार के पास है। इससे साफ है कि विभाग आरोपी डॉ को बचाने की कोशिश में लगा हुआ है।जांच की निष्पक्षता पर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं, क्योंकि आरोपी डॉक्टर को पशु चिकित्सा संघ पांढुर्णा का अध्यक्ष बनाकर उप संचालक डॉक्टर एच जी एस पक्षवार ने विभागीय कार्यालय छिंदवाड़ा में फूल माला के साथ सम्मानित किया। इससे विभाग की छवि धूमिल हो रही है और भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण मिल रहा है।इस मामले में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

मंत्री पटेल का किया पुतला दहन विरोध कर सौपा ज्ञापन

परासिया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उमरेठ के द्वारा ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल के द्वारा एक सार्वजनिक कार्यक्रम में जनता को भीख मांगने की आदत पड़ गई कहा गया इस टिप्पणी के चलते मध्य प्रदेश की जनता एवं जनमानस में रोस व्याप्त एवं इसके विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उमरेठ ने कांग्रेस कार्यालय से रैली निकालकर बस स्टैंड तिराहा पर ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री पहलाद पटेल का पुतला जलाया उसके पश्चात तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को प्रहलाद पटेल का इस्तीफा लेने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सोपा एवं उमरेठ तहसील क्षेत्र में हो रहे अवैध रेत उत्खनन भंडारण अवैध परिवहन और कोयला का परिवहन किया जा रहा है पुलिस और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है इन अवैध धंधों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस अधिक्षक महोदय के नाम भी ज्ञापन सोपा गया

लक्ष्य में पिछड़े शाखा प्रबंधकों को नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

छिन्दवाड़ा। छिन्दवाड़ा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित की 26 शाखाओं में विकासात्मक कार्यों और विभिन्न योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए शुक्रवार को कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री शीलेन्द्र सिंह ने समीक्षा बैठक आयोजित की। यह बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में हुई, जिसमें सभी शाखा प्रबंधक और बैंक संबद्ध प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के प्रशासक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में उप आयुक्त सहकारिता जी.एस. डेहरिया और बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ए.के. जैन भी मौजूद थे।समीक्षा के दौरान कलेक्टर सिंह ने शाखा प्रबंधकों को ऋण वितरण, अमानत वृद्धि और ऋण वसूली में प्रगति लाने के सख्त निर्देश दिए।

पातालकोट के उत्पाद दूसरे जिले में लोक प्रिय हो रहे: शीलेन्द्र सिंह

रतलाम जिले से आया पहला ऑनलाइन ऑर्डर

छिन्दवाड़ा। पातालकोट आजीविका उत्पाद ने एक नये मील के पत्थर को पार किया है, जब रतलाम जिले के श्री हितेश सांखले ने ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से उत्पाद खरीदने के लिए ऑर्डर दिया। यह पहला मौका है जब पातालकोट आजीविका उत्पाद के लिये दूसरे जिले से ऑनलाइन ऑर्डर आया है। श्री हितेश सांखले ने अपना ऑर्डर नंबर 11 के साथ 24 शिव कृपा, आनंद कॉलोनी, डीआरपी लाइन गेट, रतलाम के पते पर दिया है। यह ऑर्डर पातालकोट आजीविका उत्पाद की ऑनलाइन बिक्री की शुरुआत का प्रतीक है।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह ने कहा हमें यह जानकर बहुत खुशी हुई कि हमारे उत्पाद दूसरे जिलों में भी लोकप्रिय हो रहे हैं। यह हमारे लिए एक नए युग की शुरुआत है। पातालकोट आजीविका उत्पाद के इस ऑनलाइन ऑर्डर के साथ हमारा लक्ष्य देशभर में अपने उत्पादों को पहुंचाना है। हमें विश्वास है कि हमारे उत्पादों की गुणवत्ता और हमारी सेवा की गुणवत्ता हमें जल्द ही देश के सर्वश्रेष्ठ ऑनलाईन ब्रांडों में से एक बनायेगी।

कृषि भूमि का नक्शा दुरुस्त करने की मांग

जनसुनवाई में सुनी गई 148 आवेदकों की समस्यायें

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है । कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन में अपर कलेक्टर श्री के.सी.बोपचे ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 148 आवेदकों की समस्यायें सुनी । इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये । जनसुनवाई में मुख्य रूप से भूमि का रकबा एवं खसरा नक्शा सुधारने, अतिक्रमण हटाने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, पीएम किसान सम्माननिधि की राशि दिलाने, गरीबी रेखा का राशन कार्ड बनाने, मकान पट्टा प्रदान करने, शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने व आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी। जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम हरनाखेड़ा के श्री नरेश चौरसिया ने कृषि भूमि का नक्शा दुरूस्त कराने, दमुआ के श्री मनोज डोंगरे ने दमुआ नगरपालिका परिषद की सड़क किनारे और मंदिर के सामने शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण हटाने, नगर परिषद चांदामेटा बुटरिया के वार्ड नंबर-13 के वार्डवासियों ने वार्ड में मूलभूत सुविधाओं के विकास कार्य कराने, ग्राम लकड़ाई जम्होड़ी की श्रीमती ग्यारसा बाई ने जमीन पर शासकीय तालाब निर्माण होने पर जमीन का मुआवजा दिलाने, ग्राम करमोहनीबंधी की श्रीमती प्रियंका सूर्यवंशी ने पति की मृत्यु का प्रमाण पत्र बनाने, ग्राम पंचायत धूसावानी के ग्रामवासियों ने शासकीय रोड निर्माण कार्य में उत्पन्न बाधा दूर करने, ग्राम सुकरी की श्रीमती ललिता यदुवंशी ने बच्चे के भरण-पोषण के लिये आर्थिक सहायता दिलाने, ग्राम हिवरखेड़ी की श्रीमती सरस्वती वर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, चौरई के वार्ड नंबर-24 की श्रीमती जामवती नाथ ने गरीबी रेखा में नाम दर्ज करने, ग्राम अंबाड़ा की श्रीमती पुष्पा सिंह ने खरीदी गई भूमि की पावती बनवाने, ग्राम चौसरा के श्री घनश्याम वर्मा ने जमीन का बंटवारा करने, ग्राम पिपरियालालू की श्रीमती अंजू ने संबल योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता दिलाने, छिंदवाड़ा नगर के खिरका मोहल्ला की श्रीमती मोनिका कुशवाहा ने पति का मृत्यु प्रमाण पत्र दिलाने, महात्मागांधी वार्ड नंबर-24 की श्रीमती रामसुहाना अहिरवार ने भूखण्ड में अवैध निर्माण कार्य पर रोक लगाने आदि की मांग की।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने नए केंद्र के शुभारंभ के साथ एमपी के गुना में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया

गुना। नीट और जेईई के लिए परीक्षा तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने मध्य प्रदेश राज्य के गुना में लॉन्च की घोषणा करते हुए खुशी व्यक्त की है। इस प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान का उद्घाटन आकाश इंस्टिट्यूट के संभागीय अधिकारी माननीय जीन जॉन थॉमस के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस विस्तार के साथ, श्वस्रु का लक्ष्य क्षेत्र के अधिक छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करना है। यह कदम शीर्ष स्तरीय तैयारी सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उठाया गया है, ताकि अधिक महत्वाकांक्षी छात्र आकाश इंस्टीट्यूट द्वारा प्रदान की जाने वाली बेहतरीन कोचिंग तक पहुँच सकें। आकाश इंस्टिट्यूट, जो देशभर में अपने बेहतरीन शिक्षण और उत्कृष्ट रिजल्ट के लिए जाना जाता है, अब गुना के छात्रों को भी ह्श्वश्वभ् और छ्वश्वश्व जैसी कठिन परीक्षाओं की तैयारी में मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इस नए सेंटर के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुभवी फैकल्टी, नवीनतम स्टडी मटेरियल और एडवांस्ड टेस्ट सीरीज का लाभ मिलेगा। लॉन्च के बारे में बात करते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के डॉ एच आर राव (चीफ एकेडमिक एंड बिजनेस हेड) ने कहा, हमें गुना में अपने नए केंद्र के उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो हमारे मिशन का एक महत्वपूर्ण कदम है – छात्रों के करीब गुणवत्तापूर्ण कोचिंग लाना। हमारा मुख्य ध्यान छात्रों को एक मजबूत शैक्षिक नींव, वैचारिक स्पष्टता प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए आत्मविश्वास से सशक्त बनाना है। यह केंद्र अनुभवी शिक्षकों, व्यापक अध्ययन सामग्री और छात्रों की क्षमता को अधिकतम करने के लिए डिज़ाइन किए गए एक आदर्श सीखने के माहौल से लैस होगा।

37 वॉ हरामखाऊ सम्मेलन आज...

मशहूर कामेडियन प्रताप फौजदार देंगे अपनी प्रस्तुति

छिन्दवाड़ा। होली के अवसर पर आयोजित होने वाले छिन्दवाड़ा जिले के बहुप्रतिष्ठित कार्यक्रम हराम खाऊ अपमान समारोह का आयोजन परम्परा अनुसार होलिका दहन की पूर्व संध्या पर स्थानीय दशहरा मैदान में शाम 7 बजे से आयोजित किया जावेगा जिसमें देश के मशहूर कामेडियन प्रताप फौजदार अपने चिर परिचित अंदाज में हास्य रस की वर्षा करेंगे जिसमें उपस्थित जनसमुदाय आनंद रस में डूब जायेगा उक्त आशय की जानकारी देते हुऐ समिति के संतोष जैन सरल, हेमन्त जैन और सौरभ ठाकुर ने बताया कि इस वर्ष समिति द्वारा कार्यक्रम को एकदम नये अंदाज में प्रस्तुत किया जा रहा है जिसमें छिन्दवाड़ा के वरिष्ठ साहित्यकार मन्नूलाल झकलट हराम खाऊ टाइम्स के 37 वें अंक के मुख्य अंश का वाचन अपने विशेष अंदाज में प्रस्तुत करेंगे। हरामखाऊ आर्केस्ट्रा द्वारा छिन्दवाड़ा के समस्त जनप्रतिनिधियों पर आधारित हास्य रस से परिपूर्ण पेरोडीयो का गायन किया जावेगा जो आकाशीय का केन्द्र होगा इस वर्ष कार्यक्रम के अतिथियों के रूप में विवेक बंटी साहू सांसद, कमलनाथ पूर्व मुख्यमंत्री, राकेश सिंह प्रभारी मंत्री, चौ.चन्द्रभान सिंह पूर्व मंत्री, दीपक सक्सेना पूर्व मंत्री,डॉ. शेषराव यादव जिलाध्यक्ष भाजपा छिन्दवाड़ा, विश्वनाथ ओक्टे जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी छिन्दवाड़ा,महापौर विक्रम आहके,निगम अध्यक्ष सोनू मागो, शीलेन्द्र सिंह कलेक्टर, अजय पाण्डे एस.पी., सुधीर जैन एस.डी.एम. , सी.पी.राय आयुक्त नगर निगम सहित छिन्दवाड़ा के समस्त जनप्रतिनिधिगण का मिडिया जगत के समस्त साथीगण उपस्थित रहेंगे। उक्त कार्यक्रम की ओर भी आकर्षक बनाने हेतु समिति के पदाधिकारियों राजू चरणागर,प्रणय नामदेव,सुनील जैन,अरविंद राजपूत,प्रदीप स्नेही,विजय आनंद दुबे,रजनीश जैन,तरूण जैन,योगेश बेले,घनश्याम राजपूत,विजय गुप्ता,गुंजन नायक ,नरेश सोनी नारू,आशीष अग्रवाल,सुनील बनारसे,बबलू बरमैया,ऋषभ तिवारी,जागेन्द्र सोलंकी,ये सभी अथक परिश्रम कर कार्यक्रम को अंतिम रूप देने में लगे हुऐ है हराम खाऊ टाइम्स परिवार समस्त नगर वासियों से इस विलक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होकर होली के उपलक्ष्य में हॉस्य रस से सराबोर होने हेतू सहपरिवार इष्ट मित्रों सहित आमंत्रित करता है महिलाओं के बैठने की उचित व्यवस्था बनाई गई हैं।

बाबू के कारण अतिथि शिक्षक को नहीं मिला वेतन

अतिथि शिक्षकों का वेतन नहीं होने पर मनेगी फीकी होली

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न शासकीय स्कूलों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों का वेतन इन दिनो तीन माह से लटका हुआ है किंतु अमरवाड़ा विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बाबूओ की तानाशाही और अड़ियल रवैए के कारण अमरवाड़ा विकासखंड के अतिथि शिक्षक इस बार रंगों की होली फीकी एवं बेरंग रूप से मनाएंगे। जिसको लेकर संपूर्ण अमरवाड़ा विकासखंड में पदस्थ अतिथि शिक्षकों में भारी आक्रोश व्याप्त है।वही विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा भी हमेशा अतिथि शिक्षकों को आश्वासन के अलावा कुछ नहीं दिया जाता है जबकि लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के आदेश अनुसार अतिथि शिक्षकों का माह फरवरी तक का संपूर्ण वेतन होली पर्व के पूर्व ही करने के आदेश विभाग द्वारा जारी किए गए हैं। किंतु अमरवाड़ा विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बैठे बाबुओं की बाबू गिरी ने इन अतिथि शिक्षकों की होली बेरंग कर दी है। जिला अध्यक्ष संतोष कहार ने बताया कि अमरवाड़ा ब्लॉक के अतिथि शिक्षकों द्वारा मुझे फोन के माध्यम से अवगत कराया गया है कि अमरवाड़ा विकासखंड में बैठे मुकेश नेमा बाबू के चक्कर में अतिथियों के बिल छिंदवाड़ा ट्रेज़री से कभी वापिस हो जाते है तो कभी इनके द्वारा गलत हेड डालने से बंटन लेप्स हो जाता है और बिल पास नहीं हो पाते है जिसके कारण अतिथि शिक्षकों का दो माह तक का वेतन नहीं हो पा रहा है और अतिथि शिक्षक परेशान हो रहे हैं यदि जल्द ही होली पर्व के पूर्व अतिथि शिक्षकों का वेतन नहीं होता है तो जिले भर में अतिथि शिक्षक अमरवाड़ा बी ई ओ ऑफिस के अधिकारियों एवं बाबूओ के खिलाफ धरना प्रदर्शन आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

38 वाहनों से लिया गया 41100 रूपये का जुर्माना

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में परिवहन विभाग के जांच दल द्वारा आज छिन्दवाड़ा-नागपुर मार्ग पर छोटे-बड़े सभी वाहनों की बारीकी से जाँच की गई। जांच के दौरान वाहनों के दस्तावेज जैसे वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र एवं वाहन चालक का वैध लाइसेंस आदि की जांच की गई। जिन वाहनों के दस्तावेजों में कमियां पाई गई ऐसे वाहनों पर चालानी कार्यवाही की गई । अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मनोज तेहनगुरिया ने बताया कि छिन्दवाड़ा-नागपुर मार्ग में वाहनों की चेकिंग की गई। चैकिंग के दौरान जिन वाहनों में दस्तावेजों की कमियां पाई गई तथा मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन करते पाये जाने वाले 38 वाहनों से 41100 रूपये का जुर्माना लिया गया।

इंदौर में उत्खनन कार्य में संलिप्त 2 पोकलेन मशीन जब्त

इंदौर। कलेक्टरआशीष सिंह के निर्देशन में इंदौर जिले में अवैध उत्खनन करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सांवेर तहसील अंतर्गत ग्राम रिंगनोदिया के शासकीय तालाब भूमि सर्वे क्रमांक 115 रकबा 4.452 हेक्टेयर पर अवैध उत्खनन के संबंध में खनिज विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई है। सहायक खनि अधिकारी जयदीप नामदेव एवं टीम द्वारा अवैध उत्खनन में कार्रवाही करते हुए उत्खनन कार्य में संलिप्त पाई गई दो पोकलेन मशीनों को जप्त किया गया है। जप्त की गई दोनों मशीनों को पुलिस थाना सांवेर अंतर्गत धरमपुरी चौकी की अभिरक्षा में रखा गया है। सहायक खनि अधिकारी ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन में रिंगनोदिया तालाब से अवैध उत्खनन होने एवं मिट्टी बेचे जाने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। अवैध उत्खनन कर्ताओं पर मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन,परिवहन तथा भंडारण का निवारण नियम 2022) के नियमानुसार प्रकरण पंजीबद्ध करके कलेक्टर न्यायालय में आगामी कार्रवाई हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।

चौदह लाख की लागत, सर्वे की जमीन पर नही हो रहा निर्माण

जेसीबी मशीन से किया जा रहा कार्य चपरासी ही करता है पंचायत के सारे जरूरी कार्य

सांध्य प्रकाश योगेश गुप्ता बैतूल। ग्राम पंचायत कोठिया में मनरेगा के तहत चौदह लाख की लागत के मिस्त्री पाव्ट स्टॉप डैम में घोटाले का खुलासा हुआ है। ग्रामीण पिंकेश धुर्वे, सोनू धुर्वे, कुंदन यादव,गब्बू धुर्वे, मनेश आहाके सुब्बना अहाके और मुन्ना धुर्वे ने बताया। डैम का सर्वे एक जगह हुआ था।लेकिन निर्माण दूसरी जगह किया जा रहा है। नियमों के अनुसार डैम निर्माण में काली मिट्टी का उपयोग होना चाहिये है। परंतु यहाँ खुदाई से निकली मुरम से निर्माण कार्य किया जा रहा है। ठेकेदार बिल में 7-8 किलो मीटर दूर से काली मिट्टी लाने का खर्च बताकर सरकारी राशि हड़प रहे है। मजदूरों को रोजगार देने बजाय। पंचायत में मशीनों से कार्य किया जा रहा है। सरपंच-सचिव अपनी मनमर्जी से सरकारी योजनाओं की नियमो का उल्लंघन कर रहे है। वहीं ग्रामीणों ने बताया की पंचायत में सरपंच और सचिव की मनमर्जी चल रही है। और पंचों की राय को तवज्जो नहीं मिलती पंचायत में सचिव नहीं आते चपरासी काम करते है। और सरपंच की सुनने को तैयार नही शिकायतकर्ता ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत में सचिव करीब एक महीने से अनुपस्थित है।

अंजुमन कॉम्प्लेक्स स्वयं तोड़े ले अन्यथा हमें तोड़ना पड़ेगा: नगर निगम

छिंदवाड़ा अंजुमन कॉम्पलेक्स में नगर निगम की कार्यवाही

छिंदवाड़ा। लंबे समय से अवैध निर्माण के मामले में विवादित अंजुमन कॉम्प्लेक्स में उच्च न्यायालय द्वारा WP-1032/2024 प्रकरण में पारित आदेश के अनुपालन में नगर निगम ने आज अंजुमन कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। न्यायालय के निर्देशानुसार, वार्ड नं. 30 नजूल प्लाट नं. 5/26/2 एवं 7/2 स्थित इस भवन को 7.5 मीटर की एम.ओ.एस. सीमा में लाने एवं ग्राउंड कवरेज को 40त्न तक सीमित करने हेतु स्थल पर नाप-जोख की गई।नगर निगम आयुक्त के नेतृत्व में गठित इंजीनियरों की टीम ने 11 एवं 12 मार्च 2025 को स्थल निरीक्षण कर अवैध निर्माणों की मार्किंग की। आदेश के अनुसार, चिन्हित अतिक्रमण को हटाने के लिए आगामी सात दिनों के भीतर संबंधित पक्ष को स्वेच्छा से ध्वस्तीकरण करने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई न होने पर नगर निगम स्वयं तोड़फोड़ की कार्यवाही करेगा। नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में की जा रही है। जल्द ही अवैध निर्माण हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

वसूली नहीं करने पर मिला कारण बताओ नोटिस... कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक ने की समीक्षा, 31 मार्च तक 300 करोड़ वसूल करने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. छिन्दवाड़ा की 26 शाखाओं के विकासात्मक कार्यों व विभिन्न योजनाओं में निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति तथा प्रगति की समीक्षा कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री शीलेन्द्र सिंह ने मंगलवार को सायंकाल में कलेक्टर सभा कक्ष में की। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक द्वारा समीक्षा के दौरान विकासात्मक कार्यों की प्रगति में पिछड़ी शाखाओं के शाखा प्रबंधकों को शोकास जारी करने एवं ऋण वितरण अमानत वृद्धि ऋण वसूली में प्रगति लाने के कड़े निर्देश दिये।

इन्हे मिला शोकास- ऋण वसूली में पिछड़ी शाखाऐं- चांद, अमरवाड़ा, कुण्डा, तामिया। अमानत वृद्धि में पिछड़ी शाखाऐं- कुण्डा, अमरवाड़ा, बिछुआ, बनगांव, दमुआ, पिपलानारायणवार। इस समीक्षा बैठक में बैंक के प्रभारी मुख?य कार्यपालन अधिकारी ए.के. जैन सहित सभी शाखाओं के शाखा प्रबंधक उपस्थित थे। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक द्वारा बैठक में उपस्थित शाखा प्रबंधकों को जहां 31 मार्च तक वितरित ऋण का 300 करोड़ वसूल करने के निर्देश दिये गये है वहीं ऋणी कृषकों भी अपने ऋण की चुकौती कर एक अप्रैल से पुनः नया ऋण प्राप्त कर शून्य प्रतिशत ब्याज सहायता का लाभ उठाने हेतु प्रेरित करने एवं कालातीत कृषकों को राजस्व विभाग के माध्यम से आर.आर.सी जारी करने आवश्यक कार्यवाही किये जाने निर्देशित किया गया।

हनुमान जन्मोत्सव समिति की बैठक संपन्न

छिंदवाड़ा। ग्राम रंगारी ठोका में विराजमान श्री पंचमुखी हनुमान मंदीर परीसर में आगामी हनुमान जन्मोत्सव को धुमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया है।बैठक की अध्यक्षता हनुमान जनामोत्सव समिति के अध्यक्ष बबलु ठाकरे ने की। बैठक मे मुख्य उपस्थिती हनुमान मंदीर जिर्णोध्दार समिती के अध्यक्ष एवं मंदीर व्यवस्थापक आनंद ठाकरे उपस्थित थे। बैठक में हनुमान जन्मोत्सव 6 अप्रेल से 13 अप्रेल तक मनाने का निर्णय लिया गया है। प्रतिदिन हरीनाम कीर्तन होगा। इस अवसरपर विनोद पाटील ठाकरे, दिपक महाले, प्रवीण पेठे, चंद्रशेखर ठाकरे शिवगोपाल महाले,नरेंद्र ढेपे,,गणेश ठाकरे, लिलाधर मानमोडे ,विकास दुबे, अरूण दुबे, अक्षय मुलमुले, वृषभ रामटेके तथा सभी सदस्य उपस्थीत थे।

चाहे जितनी सेविंग, भविष्य के लिए कम

रीवा। भारत में सैंडविच जेनरेशन के लोग अपने माता-पिता और बच्चों की ज़िंदगी को हर संभव तरीके से सबसे बेहतर बनाने पर ध्यान देते हैं, फिर भी उन्हें ऐसा लगता है कि वे अपने भविष्य के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। एडलवाइज लाइफ़ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी सेविंग या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं है। सामान्य तौर पर 35 से 54 साल की उम्र के लोगों को सैंडविच जेनरेशन कहा जाता है, जिनके कंधों पर दो पीढ़ियों - यानी अपने बुजुर्ग माता-पिता और बढ़ते बच्चों की आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करने की ज़िम्मेदारी होती है। जीवन बीमा कंपनी ने ङ्कशह्वत्रश1 के साथ मिलकर देश के 12 शहरों में इस जेनरेशन के 4,005 लोगों का एक सर्वे किया, ताकि उनके नज़रिये, उनकी धारणा और वित्तीय तैयारी के स्तर को समझा जा सके। इस मौके पर एडलवाइज लाइफ़ इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ, सुमित राय ने कहा, पिछले कुछ सालों में अपने ग्राहकों के साथ बातचीत के आधार पर हमने इस बात को करीब से जाना है कि, सैंडविच जेनरेशन के लोग किस तरह अपने माँ-बाप और बच्चों की देखभाल के बीच फंसे हुए हैं। वे स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी ज़रूरी सुविधाएँ उपलब्ध कराना चाहते हैं, साथ ही वे अरमानों भरी ज़िंदगी भी देना चाहते हैं, जिसमें 'ज़रूरतों' को पूरा करने के लिए ख़्वाहिशों की कुर्बानी नहीं देनी पड़े।

।। सार्वजनिक विज्ञप्ति ।।

मध्यप्रदेश नगर पालिक (कॉलोनी विकास) नियम
2021 के नियम 13 (2) के अन्तर्गत

सर्वसाधारण जनता की जानकारी के लिए इस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता हैं कि मेसर्स पीआरएस बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रेक्टर्स द्वारा ग्राम-समरधा कलियासोत स्थित भूमि खसरा क्र. 35/2, 358/2, 361/2, 362, 361/1/1/1, 362 एवं 361/1/1/2, 362 कुल रकबा 2.834 हेक्टेयर पर भोपाल नगर पालिक निगम क्षेत्र के अधीन भूखण्ड धारक होकर क्षेत्र में आवासीय कॉलोनी " SHEETAL LIFESTYLE " निर्मित करने जा रहे है नगर तथा ग्राम निवेश जिला भोपाल द्वारा जारी अनुमोदित मानचित्र क्रमांक- 82/बीपीएलएलपी 4890/ एलपी-17 /धारा 16-5/जिका/भोपाल/2012 भोपाल दिनांक 04.10.2024 में दर्शित आवासीय भूखण्ड क्र. – 01 क्षेत्रफल 67.61 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 02 क्षेत्रफल 101.38 व.मी., भूखण्ड क्रं. –03 क्षेत्रफल 96.35 व.मी., भूखण्ड क्रं. –04 क्षेत्रफल 90.16 व.मी., भूखण्ड क्रं. –05 क्षेत्रफल 83.83 व.मी., भूखण्ड क्रं.–20 क्षेत्रफल 139.94 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 46 क्षेत्रफल 118.46 व. मी., भूखण्ड क्रं.–47 क्षेत्रफल 107.94 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 53 क्षेत्रफल 121.89 व.मी., भूखण्ड क्रं.–78 क्षेत्रफल 121.89 व.मी., भूखण्ड क्रं.–79 क्षेत्रफल 70.36 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 80 क्षेत्रफल 53.39 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 81 क्षेत्रफल 59.31 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 101 क्रं. – 102 क्षेत्रफल 113.82 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 103 क्षेत्रफल 131.28 व.मी., भूखण्ड क्रं.–104 क्षेत्रफल 80.41 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 105 क्षेत्रफल 94.78 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 106 क्षेत्रफल 104.05 व.मी., भूखण्ड क्रं.– 107 क्षेत्रफल 113.31 व.मी., भूखण्ड क्रं.– 108 क्षेत्रफल 143.67 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 111 क्षेत्रफल 85.07 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 116 क्षेत्रफल 78.34 व.मी., भूखण्ड क्रं.–117 क्षेत्रफल 78.34 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 128 क्षेत्रफल 111.22 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 141 क्षेत्रफल 76.16 व.मी., भूखण्ड क्रं.–142 क्षेत्रफल 94.99 व.मी., भूखण्ड क्रं.–155 क्षेत्रफल 60.37 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 156 क्षेत्रफल 78.22 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 165 क्षेत्रफल 108.05 व.मी., इस प्रकार आवासीय कुल 30 भूखण्ड जिनका कुल क्षेत्रफल 2908.89 व.मी. एवं दर्शित व्यवसायिक भूखण्ड क्रं.–06 क्षेत्रफल 169.37 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 07 क्षेत्रफल 145.2 व.मी., क्षेत्रफल 123.86 व.मी., भूखण्ड भूखण्ड क्रं.– 08 क्षेत्रफल 125.8 व.मी., भूखण्ड क्रं. –09 क्षेत्रफल 106.4 व.मी., भूखण्ड क्रं. – 10 क्षेत्रफल 87.00 व.मी. एवं भूखण्ड क्रं. – 11 क्षेत्रफल 115.8 व.मी., इस प्रकार कुल 06 भूखण्डों जिनका कुल क्षेत्रफल 749.57 व.मी. को नगर निगम भोपाल के अधीन बंधक रखे गये है । जिसका MP43IGR16952025A100137031 दिनांक 06.03.2025 देकर किया गया है। जिसमें 01 से 29 पृष्ठ समाविष्ट है। ये भूखण्ड/ प्रकोष्ठ इस क्षेत्र की कॉलोनी का आतंरिक विकास कार्य पूर्ण होने के पश्चात् नियमानुसार बंधक मुक्त किये जावेंगे तथा इसी के पश्चात् इन भूखण्ड/प्रकोष्ठ का विक्रय किया जा सकेगा।

अतः सर्व साधारण इन भूखण्डों/प्रकोष्ठों के संबंध में न तो अनुबंध करें न ही किसी भी प्रकार के कय/विक्रय, बंधक तथा अन्तरण की कोई कार्यवाही करें अन्यथा वह निरस्त मानी जावेगी अतः सूचित हो।

सक्षम प्राधिकारी एवं नगर निवेशक
नगर पालिक निगम, भोपाल

भारतीय संस्कृति का अमूल्य गहना है पूर्वोत्तर: अमित शाह

अभाविप द्वारा आयोजित तीन दिवसीय छात्र संसद का समापन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय छात्र संसद का मंगलवार को समापन हुआ। अंतिम दिन पूर्वोत्तर छात्र युवा संसद का आयोजन अभाविप और अंतर-राज्य छात्र जीवन दर्शन (एसईआईएल) के संयुक्त तत्वावधान में नई दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक छात्र संसद में पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों से 95 छात्र संगठनों के 170 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त अभाविप के पूर्वोत्तर राज्यों के 50 प्रतिनिधि और दिल्ली में कार्यरत विभिन्न पूर्वोत्तर छात्र संगठनों के 50 प्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जिसमें ऑल ओल्लो छात्रसंघ, ऑल मिश्मी छात्रसंघ, ऑल ताई खामती सिंग्फो छात्रसंघ, ऑल मेयोर छात्रसंघ, ऑल इडु-मिश्मी छात्रसंघ, ऑल शेरदुक्पेन छात्रसंघ, ऑल मोनपा छात्रसंघ, ऑल तुत्सा छात्रसंघ (चांगलांग), ऑल तुत्सा छात्रसंघ (तिराप) सहित अन्य प्रमुख छात्र संगठनों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह श्री मुकुंद सी. आर., केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी, एसईआईएल के ट्रस्टी सुनील वासुमतारी, अभाविप के राष्ट्रीय मंत्री कमलेश सिंह, अभाविप अरुणाचल प्रदेश की प्रदेश मंत्री कु. बिकी यादर सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मंच पर उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर छात्र युवा संसद में छात्रों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, पर्यटन, पर्यावरण, व्यवसाय, उद्यमिता, नशामुक्ति, सीमा सुरक्षा एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने, सड़कों, रेलवे और डिजिटल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, पूर्वोत्तर में विश्वविद्यालयों और छात्रावासों की संख्या बढ़ाने, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान और व्यापार को सशक्त करने, पारंपरिक शिल्प और हस्तशिल्प उद्योगों को बढ़ावा देने, नशामुक्त समाज की दिशा में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने तथा सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ठोस रणनीति बनाने जैसी विभिन्न मांगों को लेकर गहन मंथन किया गया।

पूर्वोत्तर युवा छात्र संसद के मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्वोत्तर भारत भारतीय संस्कृति का अमूल्य गहना है। यह क्षेत्र न केवल विविधता में अद्वितीय है, बल्कि इसकी सांस्कृतिक विरासत, परंपराएँ और आस्थाएँ हमारे राष्ट्रीय जीवन के अभिन्न अंग हैं। हमने बीते दस वर्षों में पूर्वोत्तर को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। आज पूर्वोत्तर में शांति और स्थिरता स्थापित हुई है, जिसके परिणामस्वरूप उग्रवाद में 70 प्रतिशत की कमी आई है, सुरक्षा बलों की वीरगति में 70 प्रतिशत की गिरावट आई है और आम नागरिकों की मृत्यु दर में 89 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। पिछले वर्षों में 10,500 से अधिक विद्रोहियों ने आत्मसमर्पण कर हथियार डाले हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक, भाषाई और पारंपरिक धरोहरों के संरक्षण के लिए कृतसंकल्पित है। सरकार द्वारा पूर्वोत्तर के लिए बाढ़ नियंत्रण की प्रभावी योजनाएँ लाई जा रही हैं, जिसके तहत 300 से अधिक नए झीलों का निर्माण प्रस्तावित है। वहीं, 2014-15 की तुलना में 2024-25 में पूर्वोत्तर राज्यों के लिए बजटीय आवंटन में 153त्न की वृद्धि की गई है। यह इस क्षेत्र के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पूर्वोत्तर की शांति, विकास और एकता को सुदृढ़ करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और आने वाले वर्षों में इसे और अधिक मजबूती प्रदान की जाएगी।

शाह ने आगे कहा कि आज देश में चरित्र निर्माण की बात करने वाला यदि कोई छात्र संगठन है, तो वह केवल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद है। विद्यार्थी परिषद केवल देश के विषय में सोचता है अगर आप भारत के भविष्य से जुड़ना चाहते हैं तो आपको एबीवीपी से जुड़ना चाहिए। साथ ही पूर्वोत्तर छात्र संगठनों के बीच सेतु बनने का कार्य भी एबीवीपी को करना चाहिए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा, सांस्कृतिक एकता और समग्र विकास को लेकर अभाविप ने सदैव सक्रिय भूमिका निभाई है। असम में बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा हो या शहीद ज्योति यात्रा के माध्यम से राष्ट्रवादी चेतना जागृत करने की पहल, अभाविप ने हर मोर्चे पर दृढ़ता दिखाई है। अंतर-राज्य छात्र जीवन दर्शन (एसईआईएल) के अंतर्गत 'भारत हमारा देश है' की थीम पर कार्य करते हुए पूर्वोत्तर को राष्ट्रीय मुख्यधारा से सशक्त रूप से जोड़ने का प्रयास किया गया है। पूर्वोत्तर छात्र संसद केवल संवाद तक सीमित नहीं, बल्कि नीति-निर्माण में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने की ऐतिहासिक पहल है, जिसके तहत लिए गए निर्णयों और छात्रों की मांगों को जल्द ही सरकार तक पहुंचाएंगे।

विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन के अंदर जाते हुए मुख्यमंत्री, मंत्री एवं विधायकगण

स्वागत

गेहूं का गट्ठा लेकर पहुंचे टिमरनी विधायक, मार्शल से बहस

भोपाल। टिमरनी से कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह कंधे पर गेहूं की फसल का गट्ठा लेकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने कहा- चुनावों में घोषणा की गई थी कि गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रुपए करेंगे। ये नहीं दे रहे हैं। किसान खाद और डीएपी के लिए परेशान हो रहा है। शाह गट्ठा लेकर सदन के भीतर जाना चाह रहे थे। इससे लेकर उनकी मार्शल से बहस हो गई।

मध्यप्रदेश के विकास को समर्पित सर्वसमावेशी दूरदर्शी बजट: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत 2025-26 का बजट सर्वसमावेशी और दूरदर्शी है। यह बजट प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 2047 तक 2 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बजट में औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण और रोजगार सृजन जैसे सभी क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। इस वर्ष स्वास्थ्य क्षेत्र के बजट में 15 प्रतिशत की वृद्धि कर कुल 23 हज़ार 535 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो गत वर्ष की तुलना में ?2,992 करोड़ अधिक है। यह स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तृत और सुदृढ़ बनाने में सहयोगी होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सर्व-हितकारी और विकासोन्मुखी बजट के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री (वित्त) जगदीश देवड़ा का आभार व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं उप मुख्यमंत्री (वित्त) देवड़ा के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट प्रदेश के सर्वांगीण विकास का एक प्रभावी दस्तावेज है। यह बजट प्रदेश को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। सरकार ने संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और अधोसंरचना विकास को भी समान रूप से प्राथमिकता दी है। प्रदेश के पारंपरिक कारीगरों, हस्तशिल्प और कला-संस्कृति को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएँ शुरू की जा रही हैं। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के लिए विशेष बजटीय प्रावधान किया गया है, जिससे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन को भव्यता प्रदान की जा सके। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के संतुलित एवं योजनाबद्ध विकास के लिए व्यापक बजटीय आवंटन किया गया है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आयुष्मान भारत योजना के लिए इस वर्ष 2,039 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। प्रदेश में 1,000 संजीवनी और 1,059 जननी एम्बुलेंस संचालित की जा रही हैं, जिनके माध्यम से 22 लाख नागरिकों को आपातकालीन सेवाएँ प्रदान की गई हैं। उच्च जोखिम वाले दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 249 बर्थ वेटिंग रूम स्थापित किए गए हैं। गंभीर बीमारियों से पीड़ित नागरिकों के लिए 'सीएम केयर योजना' के तहत कैथ लैब और कैंसर उपचार सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए भी व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किए मम्मा के अंतिम दर्शन, घर जाकर दी पुष्पांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्व. सुरेन्द्रनाथ सिंह (मम्मा) के निवास, एलआईजी-151, कोटरा सुल्तानाबाद पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की । उनका अंतिम संस्कार आज भदभदा विश्राम घाट पर किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में शहर के कई नेता एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

पूर्व मंत्री पत्रकार विष्णु राजोरिया का निधन

भोपाल। समाजसेवी, प्रखर पत्रकार, शिक्षाविद् एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री विष्णु राजोरिया ने मंगलवार की शाम भोपाल के एक निजी अस्पताल में आखिरी सांस ली। वे 83 वर्ष के थे। राजोरिया ने अपने जीवन को एक कर्मयोगी की सदृश जिया। उन्होंने अपने जीवनकाल में तमाम शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की। 6 दशक पहले मध्यप्रदेश की मासिक पत्रिका शिखर वार्ता के साथ कॅरियर महाविद्यालय, कॅरियर अस्पताल एवं आदर्श प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की। वह शिखर वार्ता के संस्थापक संपादक भी रहे। इसके साथ ही मध्यप्रदेश की अनेक शैक्षणिक एवं सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थाओं के अध्यक्ष एवं सदस्य भी रहे। राजोरिया के बड़े पुत्र आशीष राजोरिया ने बताया कि वह कुछ समय से बीमार थे उनका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा था। राजोरिया के निधन पर मध्यप्रदेश कांग्रेस परिवार सहित हरदा क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। उनके निधन पर कांग्रेस, भाजपा एवं अन्य राजनीतिक दलों के अनेक वर्तमान मंत्री, पूर्व मंत्री, सांसद, विधायक, पूर्व विधायक सहित तमाम नेताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शोक प्रकट किया। उनके मित्र एवं पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव ने गहरी शोक संवेदनाएं जताते हुए कहा कि विष्णु तीन दशक तक मध्य प्रदेश की राजनीति में बहुत सक्रिय रहे। वह अपने समय के दिग्गज कांग्रेसी नेता कहे जाते थे।

बजट से प्रदेश में निवेश और औद्योगिकीकरण को नई गति मिलेगी: शर्मा

भोपाल। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में 19,206 करोड़ 79 लाख 52 रूपये का वर्ष 2024-25 के लिए द्वितीय अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत किया है। इसमें एमएसएमई विभाग के लिए 1075 करोड़ 80 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है जो कि स्वागत योग्य है। फेडरेशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप का बजट प्रावधान के लिये आभार व्यक्त किया है। उन्होने कहा कि इस बजट से प्रदेश में निवेश और औद्योगिकीकरण को नई गति एवं दिशा प्राप्त होगी। प्रदेश में रोजगार की नई संभावना में वृद्धि होगी और संपूर्ण प्रदेश के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। दीपक शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने 'ईज़ ऑफ लिविंग' और 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' को बढ़ावा देने के लिए मानकों के सरलीकरण, जनविश्वास बिल, राजस्व महाभियान और पीएम जनमन कार्यक्रम जैसे प्रभावी उपायों को अपनाया है, जिससे सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाया गया है।मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में द्वितीयक क्षेत्र में 2.73 लाख करोड़ रूपये के सकल मूल्य वर्धन तक पहुँच गया। राज्य में औद्योगिक क्षेत्र में बुनियादी ढॉचे के विकास कार्यो के लिये वर्ष 2024-25 में 145.13 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई तथा दिसम्बर 2024 तक 4.17 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये यह बहुत ही अच्छा सूचक है। वर्ष 2024-25 में शिक्षा का बजट 11.26 प्रतिशत आवंटित किया गया है। सीएम राइज स्कूल योजना के तहत 274 स्कूलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। व्यावसायिक शिक्षा में 14 ट्रेडस शुरू किये गये है। उच्च शिक्षा के अंतर्गत 1346 महाविद्यालय में 10.5 लाख सीट उपलब्ध है। कौशल विकास मिशन के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 3.49 लाख छात्रों को व्यावसयिक शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया है। कौशल विकास मिशन एवं व्यावसायिक शिक्षा से प्रदेश के उद्योगों को कुशल कर्मचारी प्राप्त हो सकेगे जिसकी वर्तमान में अत्यधिक आवश्यकता है। राज्य में 10 आई.टी.पार्क एवं 4 आई.टीं र्म् विकसित किये गये है। राज्य में 4895 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप कार्यरत है इनको भरपूर सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए। अनुपूरक अनुमान में यह राशि एमएसएमई प्रोत्साहन व्यवसाय निवेश संवर्धन/सुविधा प्रदाय योजना के तहत पिछले वर्षों के बकाया भुगतान के लिए प्रस्तावित है। इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के मूल बजट में 694 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया था। प्रथम अनुपूरक अनुमान में 400 करोड़ रूपये का आवंटन प्राप्त हुआ था, जिसका वितरण सिंगल क्लिक से संबंधित इकाईयों को किया जा चुका है।